नई दिल्ली
रविवार 8 फरवरी 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, सप्तमी वर्ष : 29, अंक : 296
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 26.3
न्यून. 12.6

ट्रेड डील के बाद पाक को बड़ा झटका

ट्रंप ने कश्मीर पर भी दिया साफ संदेश, पूरा पीओके भारत के नक्शे में दिखाया

भारत के नक्शे में ऑक्साई चीन भी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन पाकिस्तान इस आसान से तथ्य पर चाहे जितनी बहस करे या कितना ही प्रोपेगेंडा चलाए, लेकिन सच्चाई पूरी दुनिया को पता है। अब इस कड़ी में अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, ट्रेड डील पर रूपरेखा तय होने के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत का नक्शा जारी किया, जिसमें भारतीय क्षेत्र को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया है। इस नक्शे में उत्तरी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया हिस्सा यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है। साथ में ऑक्साई चीन भी दिख रहा है। इस पोस्ट के जरिए बताया गया कि अमेरिकी उत्पादों की अब नए बाजार तक पहुंच बनेगी। भारत का नक्शा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक ग्राफिक का हिस्सा था। जिसमें अमेरिका से आयात किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में अमेरिकी मेवे, लाल ज्वार, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सूखे अनाज (सूखे आसवन अनाज) और अमेरिकी शराब और स्पिरिट शामिल हैं।

इन उत्पादों पर शून्य टैरिफ

रत्न व आभूषण, फार्मास्युटिकल उत्पाद, विमान के पुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, मसाले, पेय पदार्थ जैसे चाय कॉफी, नारियल, नारियल का तेल, सुपारी, ड्राय फ्रूट्स, ब्राजील का अखरोट, काजू, शाहबलूत, वनस्पति मोम, फल एवोकाडो, केला, आम, अनानास, सब्जी मशरूम, कुछ बेकरी उत्पाद शामिल हैं। अब हमारे एक्सपोर्टर जब अमेरिका सामान भेजेंगे तो जीरो ड्यूटी लगेगी।

अमेरिका भारत के मानचित्र से सहमत

अब यह पोस्ट पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जो कि बार-बार कश्मीर राग अलापने पर करार जवाब है। क्योंकि आमतौर पर इसमें साफ तौर पर बॉर्डर दिखाया जाता है। ऐसे में इस नक्शे के लिए वॉशिंगटन का रुख स्पष्ट है, जिसमें कोई बनावटी बात नहीं बल्कि ठोस तथ्य हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि अमेरिकी नेतृत्व भारत के राजनीतिक मानचित्र से सहमत है, जो कि वास्तविकता का समर्थन करता है और निराधार क्षेत्रीय दावों के समर्थन में नहीं है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चीता आशा बनी मां, 5 शावकों को दिया जन्म

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में नामीबियाई चीता आशा ने पांच शावकों को जन्म दिया है। यह प्रोजेक्ट चीता के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। इसी के साथ देश में चीतों की कुल आबादी अब 35 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस खबर की घोषणा की और इसे 'प्रोजेक्ट चीता' के लिए अपार गर्व और खुशी का क्षण बताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान के चीता परिवार में 5 शावकों के जन्म पर हर्ष व्यक्त किया है। कूनो वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में एक और अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की गई है।

2500 से अधिक ठगों पर की गई कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन साइहॉक 3.0' के तहत खुफिया जानकारी के आधार पर कई राज्यों में साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है, जिसमें 2,563 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। 627 करोड़ रुपए से अधिक के धोखाधड़ी मामलों को आपस में जोड़ा गया है। दिल्ली तथा असम, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और केरल समेत 10 से अधिक राज्यों में गुरुवार एवं शुक्रवार समन्वित ढंग से अभियान चलाया गया जिसमें 5,000 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

भारतीय छात्र ने लंदन में शुरू की 'थॉमस टूर' सेवा

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से हाल ही में मैक्रो-इकोनॉमिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने वाले केरल के एक छात्र ने रोजी-रोटी कमाने और ब्रिटेन में नौकरी की तलाश में जुटे स्नातकों का मनोबल बढ़ाने के लिए 'थॉमस टूर्स' नाम की अनूठी टूर गाइड सेवा शुरू की है। तिरुवल्ला के मल्लापल्ली गांव के रहने वाले जेम थॉमस मैथ्यू (23) ने अपने दादा के नाम पर 'थॉमस टूर' सेवा शुरू की है। जो उन्हीं की तरह नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं को अंशकालिक आधार पर रोजगार हासिल करने का मौका देती है।

पीएम मोदी के स्वागत में लगे 'मोदी-मोदी' के नारे

प्रधानमंत्री मोदी 2 दिन के मलेशिया दौरे पर, नए साल में उनकी यह पहली विदेश यात्रा, भव्य तरीके से हुआ स्वागत

भारत का यूपीआई जल्द ही मलेशिया में होगा लॉन्च, तिरुवल्लुवर सेंटर भी खुलेगा

पीएम ने कहा कि हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। यहां मिला अपनापन और स्नेह भारत और मलेशिया की साझा सांस्कृतिक विविधता को खूबसूरती से दर्शाता है

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

एजेंसी ⏭ कुआलालंपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंच गए हैं। पीएम अनवर इब्राहिम ने कुआलालंपुर पहुंचने पर खुद एयरपोर्ट जाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक बार फिर किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ एक ही कार में सवार होकर यात्रा की, जिससे उनकी कार डिप्लोमेसी नए सिरे से चर्चा में आ गई। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें भी साझा कीं। पीएम मोदी ने लिखा- मैं कुआलालंपुर पहुंच गया हूं।

हवाई अड्डे पर मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की तरफ से किए गए हार्दिक स्वागत के लिए मैं अत्यंत आभारी हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मलेशिया में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा भारतीय ⏩ शेष पेज 5 पर

प्रवासी भारतीयों से पीएम ने कहा कुआलालंपुर से कोच्चि तक एक जैसा खाना मलेशिया तक है भारत की फिल्में और संगीत की धाक

प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के पीएम इब्राहिम एक ही कार में

पीएम अनवर इब्राहिम ने कुआलालंपुर पहुंचने पर खुद एयरपोर्ट जाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया

- पीएम मोदी ने एक बार फिर किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ एक ही कार में सवार होकर यात्रा की
- पीएम मोदी मलेशिया में प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे
- पीएम अनवर इब्राहिम से रक्षा, आर्थिक, नवाचार सहयोग पर होगी मुख्य चर्चा

मैं अपना वादा निभाने आया हूं

पीएम मोदी ने यह भी याद दिलाया कि पिछले वर्ष वे आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सके थे, लेकिन उन्होंने अपने मित्र से वादा किया था कि वे जल्द ही यहां आएंगे। उन्होंने कहा मैं अपना वह वादा निभाने यहां आया हूं। उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया एक-दूसरे को इतनी आसानी से समझते हैं, शायद इसकी वजह दोनों भाषाओं भारतीय भाषाओं और मलय में मौजूद समान शब्द भी हैं। मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का जिक्र करते हुए कहा कि वे बेहद अच्छा गाते हैं, हालांकि भारत में बहुत से लोग यह नहीं जानते थे। उन्होंने बताया कि अनवर इब्राहिम के भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसका ⏩ शेष पेज 5 पर

आजाद हिंद फौज में थे भारतीयों के पूर्वज

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत की आजादी से बहुत पहले, यहां बसे भारतीयों के हजारों पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान दिए। इनमें से कई लोग भारत में अपने परिवार और पड़ोसियों से जुड़े थे, फिर भी वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज से जुड़ने वाले शुरुआती ⏩ शेष पेज 5 पर

भारत की सफलता मलेशिया की सफलता

पीएम ने अपने संबोधन में दुनिया में बढ़ती भारत की ताकत बताते हुए कहा कि हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। हम एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाते हैं। जब प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने चंद्रयान-2 की सफलता पर अपनी शुभकामनाएं दीं, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। भारत की सफलता मलेशिया की सफलता है। यह एशिया की सफलता है। मेक इन इंडिया एक छोटा पौधा था जिसे ⏩ शेष पेज 5 पर

बोले-इस घटना से मैंने आत्ममंथन कर सबक लिया

मंत्री शाह ने चौथी बार मांगी माफी कहा- भविष्य में नहीं होगी 'गलती'

वीडियो जारी किया: मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे मेरे शब्द देशभक्ति के आवेश में निकले थे

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

विजय शाह

प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार माफी मांगी है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है, आज फिर दोहरा रहा हूं, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान हो। निस्संदेह मेरे शब्द, मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। शब्द देशभक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की है, कई बार की है, अब फिर कर रहा हूं। शाह ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन कर सबक लिया है। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा और ऐसी ⏩ शेष पेज 5 पर

दिन भर थमे रहे ओला-उबर के पहिए

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में हुई भारी दिक्कत

आरोप कंपनियां अपनी मनमर्जी से किराया तय कर रहीं दूसरा बड़ा शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले एप-आधारित कैब और डिलीवरी ड्राइवर देशव्यापी में हड़ताल पर रहे। ओला, उबर, रैपिडो और पोर्टर जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स से जुड़े लाखों ड्राइवरों ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था। शनिवार की सुबह से ही दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ एप-आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के नेतृत्व में हुई यह हड़ताल पिछले साल 31 दिसंबर को हुई डिलीवरी बॉयज की हड़ताल के बाद गिग वर्कर्स का दूसरा बड़ा शक्ति प्रदर्शन है। हड़ताल का सबसे प्रमुख कारण केंद्र सरकार द्वारा जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर गाइडलाइंस 2025 का प्रभावी ढंग से लागू ⏩ शेष पेज 5 पर

दालें आयात करना हमारे लिए शर्म की बात, अब भारत दालों का निर्यातक बनेगा

क्लस्टर मॉडल, बीज ग्राम और 1,000 दाल मिलें– दलहन आत्मनिर्भरता के लिए चौहान ने बताई रूपरेखा

"बीज से बाज़ार तक"– दलहन मिशन में पूरी वैल्यू चेन पर सरकार की नजर: शिवराज

- *केंद्रीय मंत्री चौहान की अध्यक्षता में म.प्र. के सीहोर जिले के अमलाहा से देशव्यापी दलहन क्रांति का आगाज़*
- *शिवराज सिंह चौहान ने किया शोध से लेकर किसान तक की कड़ी को जोड़ने वाले अत्याधुनिक एफएलआरपी कैंपस का उद्घाटन*

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के सीहोर ज़िले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र (एफएलआरपी) से शनिवार को देश की दलहन नीति और किसान–केंद्रित कृषि विमर्श का नया अध्याय जुड़ा और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में देशव्यापी दलहन क्रांति का आगाज़ हुआ। यहाँ आयोजित राष्ट्रीय दलहन परामर्श एवं रणनीति बैठक में एक ही मंच पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान के साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ओडिशा के उपमुख्यमंत्री, कई राज्यों के कृषि मंत्री, शीर्ष वैज्ञानिक, आईसीएआर के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, एफपीओ, बीज ⏩ शेष पेज 5 पर

रेखा सरकार का एक साल: दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था आयुष्मान, आरोग्य मंदिर और वय वंदना से लैस

नई दिल्ली। 20 फरवरी को रेखा सरकार ने शपथ ली और सबसे पहले, पहली कैबिनेट बैठक में ही दिल्ली को 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का फैसला लिया। जो महानगर 11 साल तक चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को झेल रहा था, वहां पीएम मोदी की टीम एक्शन में आई। हर जरूरतमंद को मुफ्त इलाज, हर बुजुर्ग को मुफ्त इलाज और हर परिवार को घर के पास मुफ्त प्राथमिक इलाज की व्यवस्था मिल रही है।

- रेखा सरकार के एक साल में मोहल्ला क्लिनिक से आयुष्मान भारत, आरोग्य मंदिर, वय वंदना तक का सफर
- खत्म हुआ इंतजार, एक साल में ही रेखा सरकार लेकर आई हर जरूरतमंद के लिए मुफ्त, घर के पास उपचार

आयुष्मान भारत: अब दिल्ली को मिला 10 लाख का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) को मंजूरी दी। देश में जहाँ यह योजना 5 लाख तक का कैशलेस इलाज देती है, वहीं दिल्ली सरकार ने इसमें 5 लाख का स्टेट टॉप-अप जोड़कर लाभार्थियों को 10 लाख तक का वार्षिक स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया। यह फैसला उन लाखों मध्यम और निम्न आय वर्गीय परिवारों के लिए राहत बनकर आया, जो इलाज के नाम पर जीवन भर की बचत गंवा देते थे। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुरक्षा पहल अब काग़ज़ों से निकलकर ज़मीन पर असर दिखा रही है। रिकॉर्ड गति से 7 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत राजधानी में 200 अस्पतालों का विशाल नेटवर्क तैयार किया गया है, जिसमें 147 नामी निजी अस्पताल भी शामिल हैं।

स्टेट हेल्थ एजेंसी (SHA) दिल्ली के अंतर्गत अब तक 24,000 से अधिक नागरिकों को इलाज मिल चुका है और 45 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम सेटल किए जा चुके हैं। आयुष्मान भारत के साथ दिल्ली का यह विस्तारित सुरक्षा कवच लाखों परिवारों को न केवल बीमारी के डर से मुक्त कर रहा है, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ स्वस्थ जीवन जीने का भरोसा भी दे रहा है।

वय वंदना योजना: बुज़ुर्गों के लिए सम्मान और सुरक्षा

किसी भी समाज की संवेदनशीलता इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने बुज़ुर्गों का कैसे ख्याल रखता है। दिल्ली सरकार ने इस सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष्मान भारत – वय वंदना योजना (AB-VVY) को वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की रीढ़ बनाया। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को 10 लाख तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। दिल्ली में अब तक लगभग 3 लाख वय वंदना कार्ड जारी किए जा चुके हैं ।दिल्ली जैसे महानगर में, जहाँ बड़ी संख्या में बुज़ुर्ग अकेले जीवन जीते हैं, यह योजना उनके लिए भरोसे, आत्मसम्मान और निश्चिंतता की एक मज़बूत ढाल बनकर सामने आई है। यह योजना स्वास्थ्य कवच से कहीं आगे जाकर यह स्पष्ट संदेश देती है कि ₹बुढ़ापा बोझ नहीं, सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर से सशक्त होती प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था

स्वास्थ्य व्यवस्था की असली मज़बूती बड़े अस्पतालों की इमारतों में नहीं, बल्कि मज़बूत और सुलभ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में निहित होती है। इसी सोच को ज़मीन पर उतारते हुए रेखा सरकार ने दिल्ली में 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' की स्थापना के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा ढांचे को नई दिशा दी है। वर्तमान में राजधानी में 319 आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरी तरह कार्यशील हैं, और सरकार का लक्ष्य 1,100 से अधिक ऐसे केंद्र स्थापित करने का है, ताकि हर नागरिक को अपने घर से एक किलोमीटर के भीतर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सके। ये आरोग्य मंदिर केवल सामान्य बीमारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि 12 अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाओं के ज़रिये जांच, परामर्श, उपचार और रोकथाम को एक ही छत के नीचे सुनिश्चित कर रहे हैं। 12 अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल हैं।

- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल
- बच्चों और किशोरों की नियमित जांच
- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कैंसर जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग
- टीकाकरण और पोषण परामर्श
- मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं
- बुजुर्गों के लिए विशेष देखभाल
- योग, लाइफस्टाइल और वेलनेस काउंसलिंग

इलाज का पूरा चक्र: आरोग्य मंदिर से आयुष्मान अस्पताल तक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य नीति की असली ताकत उसके इंटीग्रेटेड केयर मॉडल में दिखाई देती है, जो मरीज को इलाज की पूरी यात्रा में लगातार सहारा देता है। आरोग्य मंदिरों में मिलने वाला सुलभ प्राथमिक उपचार जब आगे के इलाज की मांग करता है, तो मरीज को बिना किसी आर्थिक बोझ के सीधे आयुष्मान भारत योजना के तहत पैनलबद्ध अस्पतालों में रेफर किया जाता है। यह निर्बाध व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि इलाज पैसों की कमी की वजह से कभी न रुके। रोकथाम से लेकर समय पर पहचान और प्रभावी इलाज तक, यह मॉडल स्वास्थ्य सेवाओं को हर स्तर पर मजबूत बनाता है और यही दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को भरोसेमंद और मानवीय बनाता है।

डिजिटल स्वास्थ्य की नई पहचान: आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के नेतृत्व में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) को तेज़ी से लागू किया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया जा रहा है। अब तक राजधानी में 1 करोड़ से अधिक ABHA आईडी जारी की जा चुकी हैं, जिससे नागरिक देशभर में अपने मेडिकल रिकॉर्ड सुरक्षित और आसानी से एक्सेस कर पा रहे हैं।

सभी सरकारी अस्पतालों में 'स्कैन एंड शेयर' सुविधा और डिजिटल ओपीडी पंजीकरण की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे कतार प्रबंधन और सेवा वितरण में सुधार हुआ है। स्वास्थ्य ढांचे को राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए 2,387 हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री और 21,125 हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री आईडी तैयार की गई हैं। साथ ही, सभी सरकारी अस्पतालों में नेक्स्ट-जेन हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम लागू किए गए हैं, जिससे घर बैठे ओपीडी अपॉइंटमेंट, डिजिटल मरीज रिकॉर्ड और डेटा-आधारित स्वास्थ्य प्रबंधन संभव हुआ है। कुल मिलाकर, ABDM के तहत की गई ये पहलें दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक दक्ष, आधुनिक और भरोसेमंद बना रही हैं।

एक नई सोच के साथ आगे बढ़ती हुई दिल्ली

नई दिल्ली। बीते वर्षों में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था अव्यवस्था, अधूरी परियोजनाओं और भ्रमित नीतियों से जूझती रही। लेकिन पिछले 11 महीनों में जो बदलाव दिखा है, वह बताता है कि जब नीति स्पष्ट हो और नीयत मज़बूत हो, तो सिस्टम बदलता है।

आज दिल्ली में

- इलाज डर नहीं रहा
- अस्पताल दूरी नहीं रहे
- बुज़ुर्ग उपेक्षित नहीं हैं
- और गरीब असहाय नहीं है

आयुष्मान भारत, वय वंदना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिलकर एक ऐसा मानवीय हेल्थ इकोसिस्टम बना रहे हैं, जहाँ हर नागरिक को वही सम्मान मिलता है जो वह डिज़र्व करता है। यह वही दिल्ली है जहाँ स्वास्थ्य अब घोषणा नहीं, गारंटी है।

स्वस्थ दिल्ली – समर्थ दिल्ली

- आयुष्मान भारत के तहत 10 लाख तक का कैशलेस इलाज
- 7 लाख+ आयुष्मान कार्ड जारी
- 200 इम्पैनलेड अस्पताल
- लगभग 3 लाख वय वंदना कार्ड जारी
- राजधानी में 319 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुलें हैं, 1100+ का लक्ष्य

DIP/Shabdarth/Advertorial/0125/25-26

खुदाई वाले क्षेत्रों के चारों ओर रिफ्लेक्टर लाइट्स, ब्लिंकर्स और चमकीले टेप अनिवार्य

जनकपुरी घटना पर मुख्यमंत्री रेखा ने सभी विभागों को जारी किए सुरक्षा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र में शुक्रवार को हुई दुखद दुर्घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों को तत्काल, समयबद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

खुदाई स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं में हुई चूक पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने सुरक्षा मानकों के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए हैं और अधिकारियों तथा ठेकेदारों की स्पष्ट जवाबदेही तय की है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद मुख्य सचिव ने एक व्यापक कार्यालय ज्ञापन जारी किया है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सड़कों, फुटपाथों और भूमिगत उपयोगिताओं से संबंधित सभी निर्माण, मरम्मत और रखरखाव कार्यों में खुदाई के दौरान बिना किसी अपवाद के आठ-सूत्रीय सुरक्षा ढांचे का पालन अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने जनकपुरी दुर्घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है और स्पष्ट किया है कि लापरवाही के कारण किसी

भी प्रकार की जान-माल की हानि अस्वीकार्य है। जनसुरक्षा से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता। जहां भी चूक पाई जाएगी, वहां जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश दिल्ली सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले सभी विभागों और एजेंसियों पर लागू होंगे, जिनमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, नगर निगम दिल्ली, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, विद्युत वितरण कंपनियां तथा अन्य सभी कार्यान्वयन एजेंसियां और ठेकेदार शामिल हैं, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

आठ-सूत्रीय निर्देश के अनुसार, सभी कार्य स्थलों पर सभी दिशाओं से पर्याप्त दूरी पर स्पष्ट और पर्याप्त चेतावनी संकेतक अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। विशेष रूप से रात्रि समय और कम दृश्यता की स्थिति में खुदाई वाले क्षेत्रों और बैरिकेड्स के चारों ओर रिफ्लेक्टर लाइट्स, ब्लिंकर्स और चमकीले टेप अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी विभाग कार्य स्थलों के चारों ओर मजबूत, निरंतर और स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली बैरिकेडिंग सुनिश्चित करें, ताकि पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और वाहनों की आकस्मिक पहुंच रोकी जा सके। बैरिकेड्स इस प्रकार लगाए जाएं कि दुर्घटना का कोई जोखिम न रहे और कोई भी खुदाई या खुली खाई राहगीरों को दिखाई न दे या धूल प्रदूषण का कारण न बने। जहां आवश्यक हो, संबंधित प्राधिकरणों के समन्वय से सुरक्षित पैदल मार्ग और उचित यातायात डायवर्जन की व्यवस्था की जाए, ताकि असुविधा न्यूनतम रहे और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके। इस निर्देश में अनुपालन की स्पष्ट जिम्मेदारी संबंधित फील्ड अधिकारियों तथा कार्यान्वयन एजेंसियों/ठेकेदारों पर तय की गई है।

इंजीनियर-इन-चार्ज और फील्ड इंजीनियरों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी ऐसे कार्य स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कार्य अवधि के दौरान निर्धारित सुरक्षा उपाय लगातार बनाए रखें। समयबद्ध कदम के तहत, सभी विभागों और संगठनों को दिल्ली में चल रहे तथा हाल ही में किए गए सभी खुदाई कार्यों की तत्काल समीक्षा करने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे स्थलों के स्थान, वहां लागू सुरक्षा उपायों और जहां भी कमी पाई जाए वहां उठाए गए सुधारात्मक कदमों का विवरण देते हुए एक समेकित रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर मुख्य सचिव कार्यालय को प्रस्तुत की जानी होगी।

जनकपुरी हादसे के मामले में ठेकेदार गिरफ्तार

- बाइक सवार की जलबोर्ड के गड्ढे में गिरकर मौत मामला
- ठेकेदार पर दुर्घटना की सूचना अधिकारियों को न देने का आरोप

नई दिल्ली। जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के केस में एक उप ठेकेदार को गिरफ्तार किया गया है। इस पर सूचना मिलने के बाद भी उसे अधिकारियों को न देने का आरोप है। डीसीपी पश्चिम जिला दराडे शरद भास्कर ने बताया कि जांच के अनुसार इस मामले की जानकारी पुलिस के संज्ञान में आने से कुछ घंटे पहले ही राजेश कुमार प्रजापति (47) को पता था कि कोई व्यक्ति गड्ढे में गिर गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी विपिन सिंह जो एक शादी में शामिल होने के बाद सागरपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे ने देखा कि एक मोटरसाइकिल खाई में गिर गई है और उन्होंने पास के एक गैरेज के गार्ड को इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गार्ड ने तुरंत योगेश नामक एक मजदूर को सूचित किया, जिसने खाई में झांका और पाया कि मोटरसाइकिल की हेडलाइट जल रही थी और अंदर एक व्यक्ति दिखाई दे रहा था। फोन पर बातचीत के रिकॉर्ड से पता चला कि योगेश ने रात करीब 12:22 बजे प्रजापति को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद वह 15-20 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गया था। हालांकि, प्रजापति ने उस समय न तो पुलिस को और न ही किसी आपातकालीन प्राधिकरण को सूचना दी। घटना की जानकारी पुलिस को अगली सुबह करीब आठ बजे मिली। पुलिस ने बताया कि त्रि नगर में रहने वाले बी.कॉम स्नातक प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उत्तर प्रदेश निवासी योगेश का पता लगाने के लिए कई टीम भेजी गई हैं। पुलिस ने बताया कि घटनाक्रम का सटीक पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है। गौरतलब है कि कैलाशपुरी निवासी और एक निजी बैंक का कर्मचारी कमल ध्यानी (27) जब घर लौट रहा था तभी वह सीवर पाइपलाइन परियोजना के लिए खोदे गए लगभग 15 फुट गहरे गड्ढे में गिर गया था। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के परिवार ने पहले कई अस्पतालों में उसकी तलाश की, लेकिन दुर्घटना के किसी भी मामले का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर परिवार और पुलिसकर्मियों ने बाद में जनकपुरी इलाके में कई घंटों तक खोजबीन की थी। पुलिस द्वारा ठेकेदार और दिल्ली जल बोर्ड के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत जनकपुरी थाने में एक प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। पुलिस ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से लापता ठेकेदार और मजदूरों समेत अन्य लोग भी इस मामले में जांच के दायरे में हैं। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट रविवार को आएगी। इस मामले में कार्रवाई करते हुये जलबोर्ड ने शुक्रवार रात को ही तीन अभियंताओं को निलंबित कर दिया था।

50 करोड़ की ड्रग्स के साथ अलग-अलग राज्यों से सात गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ टीम ने दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में छापेमारी के बाद एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इनके पास से लगभग 48 किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। स्थानीय वितरकों से लेकर अंतरराज्यीय आपूर्तिकर्ताओं तक सप्लाई चेन को खत्म करने का दावा पुलिस ने किया है। डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई में 48 किलोग्राम से अधिक ट्रामाडोल, अल्प्राजोलम आदि ड्रग्स बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसमें स्थानीय वितरकों से लेकर एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट तक एक संगठित सप्लाई चेन शामिल है, जो एक संगठित अवैध ड्रग वितरण नेटवर्क की ओर इशारा करता है। यह ऑपरेशन विश्वसनीय खुफिया जानकारी विभिन्न राज्यों में लगातार और समन्वित छापे, तकनीकी जांच और त्वरित पुलिस कार्रवाई पर आधारित था, जिसने न केवल एक सिंडिकेट को बड़ी मात्रा में साइकोट्रोपिक पदार्थों की तस्करी करने से रोका, बल्कि एक बड़े नेटवर्क को भी बड़ा झटका दिया। इस मामले में चल रही जांच पिछले साल सितंबर में शुरू हुई थी। गिरफ्तार किये गये लोगों के नाम अनिरुद्ध राय, मनोज राय, किशनपाल, कृष्ण तंवर, मनोज कुमार, प्रशांत और अमित बताये गये हैं।

सीएम ने मटियाला को दी 400 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

पिछली सरकारों ने सिर्फ वायदों में उलझाया, हम जमीन पर उतार रहे हैं विकास : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मटियाला विधानसभा में करीब 400 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कभी फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। ये शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर का प्रतीक नहीं है, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास, सुविधाओं और बेहतर जीवन की मजबूत नींव हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि

दिल्ली सरकार ने मटियाला विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 400 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है। इससे इस क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास को कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उसे जमीन पर उतारकर हर नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, मटियाला के विधायक संदीप सहरावत, नजफगढ़ जोन से एमसीडी चेयरमैन सविता शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों, नालियों, ड्रेनेज सिस्टम, पार्कों, सामुदायिक स्थलों और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े अनेक कार्य किए जाएंगे। ग्रामीण और शहरी इलाकों को जोड़ने वाले मार्गों के निर्माण से क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे आवागमन सुगम बनेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

'दिल्ली सरकार ने बढ़ाए नगर निगम आयुक्त के वित्तीय अधिकार'

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में विकास कार्यों को गति देने और योजनाओं को फाइलों की उलझन से मुक्त कर सीधे धरातल तक पहुंचाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने अब निगम आयुक्त के वित्तीय अधिकारों में वृद्धि की है। इस निर्णय के तहत अब आयुक्त अपने स्तर पर ही 50 करोड़ रुपए तक की योजनाओं और कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर सकेंगे। इससे न केवल निर्णय-प्रक्रिया तेज होगी बल्कि बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर जनता को शीघ्र लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा। सरकार का यह कदम सुशासन, विकास और जनसुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फिलहाल दिल्ली नगर निगम आयुक्त को केवल 5 करोड़ रुपए तक की योजनाओं और कार्यों को स्वीकृत करने का ही अधिकार प्राप्त था, जबकि इससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं को अनुमोदन के लिए पहले निगम की स्थायी समिति से पारित कराना पड़ता था। इसके बाद निगम के सदन से अंतिम मंजूरी लेनी होती थी। इस बहुस्तरीय प्रक्रिया के कारण अनेक विकास कार्यों को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता था।

क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा अंतर्राज्यीय ज्वैलरी चोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- पांच सालों में करोड़ों का सोना चोरी करने का आरोप

क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय ज्वैलरी चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोकेश श्रीवास उर्फ गोलू पिछले पांच सालों में अब तक 45 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की ज्वैलरी चोरी कर चुका है। अनुमान है कि वह अब तक 30 किलो सोना चुरा चुका है। आरोपी हजरत निजामुद्दीन के 25 करोड़ की ज्वैलरी चोरी के मामले में भी शामिल रहा है। इस पर 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार लोकेश श्रीवास एक आदतन आभूषण चोर है। वह पहले एक सैलून में काम करता था, लेकिन आसानी से और जल्दी पैसे कमाने के लालच ने वह चोर बन गया। वह देश के कुछेक चोरों में से एक है जो अकेले ही अपराध को अंजाम देता था।

2025 में इसने चांदनी चौक इलाके में तीन दुकानों में चोरी को अंजाम दिया था। वह 29 जनवरी को ही बिलासपुर जेल से बाहर आया था।

मॉल में आग लगने से मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जसोला स्थित पैसेफिक मॉल में शनिवार को आग लगने से अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में सूचना दमकल विभाग को दी गई। जिसके बाद दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर मॉल से धुआं उठने की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गई। कुछ ही देर बाद आग पर काबू पा लिया गया है। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घर में महिला फंदे से लटकी मिली, आत्महत्या का संदेह

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के न्यू उस्मानपुर इलाके में शनिवार सुबह 24 वर्षीय महिला अपने घर में फंदे से लटकी पाई गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर आगे की कार्रवाई कर रही है। बहरहाल पीएम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना शनिवार तड़के मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम गौतम विहार स्थित घटनास्थल पर पहुंची। इकरा नामक महिला अपने कमरे में मृत पाई गई। पुलिस के अनुसार महिला को जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत्यु के कारणों का पता लगाने और सबूत जुटाने के लिए एक फॉरेंसिक टीम बुलाई गई है। केस में कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। न्यू उस्मानपुर थाने की पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। जांच के तहत परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान भी पुलिस द्वारा दर्ज किए जा रहे हैं।

एमसीडी अतिरिक्त आयुक्त ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल ने शाहदरा उत्तर जोन का दौरा कर विभिन्न नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ताहिरपुर स्थित कुष्ठ रोग आश्रम (लेप्रोसी होम), वार्ड संख्या 220 में स्वच्छता व्यवस्थाओं तथा जोन के एक एमसीडी विद्यालय में बुनियादी ढांचे और मूल सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त ने कुष्ठ रोग आश्रम में रह रहे लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई और रखरखाव की व्यवस्था का जायजा लिया।

टैक्सी चालकों ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देशभर के टैक्सी चालकों ने शनिवार को अपनी मांगों के समर्थन में जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। इसमें ओला, उबर, रैपिडो कैब और बाइक टैक्सियों के ड्राइवर , ऑटो टैक्सी चालक आदि शामिल रहे। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय चालक संयुक्त मोर्चा समिति और ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी कांग्रेस यूनियन के बैनर तले किया गया, जिसमें अलग-अलग ऑटो व टैक्सी यूनियनों से जुड़े ड्राइवरों ने एकजुट होकर अपनी मांगें सामने रखीं। टैक्सी चालकों ने कहा कि एप-बेस्ड सेवाओं के आने के बाद सेक्टर में कीमतों, नीतियों और रोजगार को लेकर असंतुलन पैदा हो गया है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था में ड्राइवरों को न तो उचित सुरक्षा मिलती है और न ही उनकी आय स्थिर रह पाती है।

शालीमार बाग में मुख्यमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शुभारंभ

'नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाना सरकार का उद्देश्य'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं है, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और गरिमापूर्ण बनाना है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अपनी विधानसभा शालीमार बाग के एसी और एसडी ब्लॉकों में नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसी ब्लॉक और एसडी (सी) क्षेत्र में सड़कों, नालियों और ड्रेनों के निर्माण एवं सुधार कार्य किए जाएंगे।

इन क्षेत्रों में आरएमसी सड़कों का निर्माण, आरसीसी तकनीक से नालियों का निर्माण, सड़क सुदृढ़ीकरण और जल निकासी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री द्वारा जिन प्रमुख परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, उनमें एसडी (सी) ब्लॉक में आरएमसी और डेंस कारपेटिंग तकनीक के माध्यम से सड़कों और नालियों के निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा, एसडी (सी) ब्लॉक से एलडी कोहाट मेट्रो स्टेशन तक के मार्ग पर आरसीसी तकनीक से नई नाली के निर्माण की भी शुरुआत की गई है, जिससे इस क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, शालीमार बाग स्थित नेहरू पार्क, अपना पार्क और सेंट्रल पार्क सहित एसी ब्लॉक के विभिन्न पार्कों में वॉकवे, वॉकिंग ट्रैक, बाउंड्री वॉल और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों की भी शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन कार्यों का उद्देश्य पार्कों को अधिक सुरक्षित, सुंदर और नागरिकों के उपयोग के लिए सुविधाजनक बनाना है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि एसी ब्लॉक में पार्किंग की समस्या को ध्यान में रखते हुए नई सरफेस पार्किंग का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा, शालीमार बाग के एडी, एजे, एएल, एई, एएफ एवं एसडी (सी) ब्लॉकों में गलियों, ड्रेनों और पार्कों से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

दिल्ली पुलिस शांति सेवा न्याय
दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सहयोग से
दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा आयोजित
विशेष लोक अदालत
दिनांक 14.02.2026 को इन सात कोर्ट परिसरों में
कोर्ट परिसर
पटियाला हाउस | कड़कड़डूमा | तीस हज़ारी | साकेत | रोहिणी | द्वारका | राउज़ एवेन्यू
1. केवल दिल्ली यातायात पुलिस पोर्टल पर लंबित और 31.10.2025 तक वर्चुअल कोर्ट को भेजे गए समझौता योग्य यातायात चालान/नोटिस ही इस लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखे जाएंगे।
2. नोटिस/चालान डाउनलोड करने और प्रिंटआउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन करें: https://traffic.delhipolice.gov.in/lokadalat या क्यूआर कोड स्कैन करें।
3. नोटिस/चालान का प्रिंटआउट साथ लेकर आना अनिवार्य है। न्यायालय परिसर में प्रिंटआउट की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।
क्यूआर कोड -1 स्कैन करें: ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुकिंग की प्रक्रिया
यह लिंक 09.02.2026 को सुबह 10:00 बजे से सक्रिय होगा और चालान/नोटिस की सीमा 2,00,000 समाप्त होने तक उपलब्ध रहेगा। प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस ही डाउनलोड किए जाएंगे।
क्यूआर कोड -2 स्कैन करें: नोटिस और चालान डाउनलोड करें
अधिक जानकारी के लिए
हमें फ़ॉलो करें: व्हाट्सएप: 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic
24X7 यातायात हेल्पलाइन: 011-25844444/1095
वेबसाइट: www.traffic.delhipolice.gov.in
ई-मेल: info.traffic@delhipolice.gov.in
दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
राउज़ एवेन्यू जिला कोर्ट्स काम्प्लेक्स , तृतीय तल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
हेल्पलाइन 1516
एक यातायात प्रहरी बनें
यातायात प्रहरी ऐप डाउनलोड करें
App Store या Google Play
DP/9849/2026
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें: पुलिस आयुक्त, दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर
तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें
पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547

खबर संक्षेप

चाकू से हमला करने वाले 4 आरोपी पकड़ाएं

फरीदाबाद। पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम ने व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के मामले में आरोपी दीपक, कृष्णा, ऋषि निवासी निखिल विहार इस्माईलपुर पल्ला व आयुषपाल निवासी रोशन नगर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि लोकेश निवासी इस्माईलपुर फरीदाबाद ने पुलिस चौकी नवीन नगर में दी शिकायत में बताया कि करीब 3 महीने पहले उसके साथ कृष्णा व उसके साथियों ने झगड़ा किया था।

ठगी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने ट्रेडिंग में इनवेस्टमेंट के नाम पर 91,50,000 रुपये की ठगी करने के एक मामले में आरोपी मुहम्मद अफजल निवासी जिला वायनाड केरल व मुफिस निवासी सिरसा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एनआईटी निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी उसकी फेसबुक पर एक व्यक्ति से बातचीत होने लगी।

अवैध हथियार रखने के मामले में 3 आरोपी काबू

फरीदाबाद । फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच की विभिन्न शाखाओं ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 देसी कट्टा बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी लक्ष्मण निवासी संजय को देशी कट्टा सूर्य विहार पार्ट 3 को देसी कट्टा सहित प्राईम ब्रांच उंचा गांव की टीम ने राकेश फरीदाबाद को दशहरा ग्राउंड बल्लभगढ़ के पास से देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

आयोजन में 18 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की

सीपीएसएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रांगण में 17वें वार्षिकोत्सव कलांजलि का हुआ भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम स्थित सीपीएसएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रांगण में वार्षिक अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महोत्सव "कलांजलि" का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन किया गया। शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता, नेतृत्व कौशल तथा व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना होता है। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सत्र 2025–26 के अंतर्गत सीपीएसएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा 17वें

"कलांजलि" अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न 18 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विष्णु दत्त शर्मा (सेवानिवृत्त जिला अधिकारी, गुरुग्राम) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रेणु गेरा (प्रधानाचार्या, एस.एन. शिदेश्वर स्कूल, गुरुग्राम) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में डीपीजी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन राजेन्द्र गहलोत, वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत तथा सेक्रेटरी नरेंद्र गहलोत की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि विष्णु दत्त शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चेयरमैन गहलोत ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी

डीपीजी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन राजेन्द्र गहलोत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों में सहभागिता विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत ने सभी प्रतिभागियों एवं विजयी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके सफल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं। सीपीएसएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या डॉ. संगीता यादव ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, समय-प्रबंधन एवं सतत अभ्यास के महत्व से अवगत कराया तथा बताया कि सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार करने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए डिजिटल फ्लायर मेकिंग, पीपीटी प्रेजेंटेशन, पोट्रेट स्केचिंग, मिनिएचर गार्डन, एकल गीत, युगल नृत्य, कैलीग्राफी विद ड्राइंग, रंगोली, स्किल इन टीचिंग तथा सेल्फी फोटो फ्रेम जैसी विविध एवं नवाचारी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताएँ अंतर-महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता एवं प्रस्तुतीकरण कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए निर्णायक मंडल के सदस्यों ने उनकी सराहना की।

मानव रचना में यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के आयोजन में बोले जगत प्रकाश नड्डा

2150 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान, केंद्रीय मंत्री नड्डा ने एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 होने का उल्लेख किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मानव रचना परिसर यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह का उद्घाटन मानव रचना शैक्षणिक संस्थानों की मुख्य संरक्षक सत्या भल्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर मानव रचना शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला एवं उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। मानव रचना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दीपेंद्र कुमार झा तथा मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के कुलपति डॉ. संजय श्रीवास्तव ने अपने-अपने संस्थानों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में शिक्षक गण, अभिभावक तथा उत्तीर्ण विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस मौके पर मानव रचना विश्वविद्यालय तथा मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज़ का दीक्षांत समारोह 2025-26 शैक्षणिक उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 2150 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। उपस्थित छात्रों व आए हुए अतिथियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे यह देखकर प्रसन्नता है कि आपने अपने संस्थान का नाम मानव रचना रखा है। यह इस बात का संकेत है कि यहां केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से युक्त व्यक्तित्व के निर्माण पर बल दिया जाता है। आज आप ऐसे समय में समाज में प्रवेश कर रहे हैं जब देश अमृत काल के दूसरे चरण में है और आने वाले 25 वर्ष आपकी भूमिका से तय होंगे।

आज की दुनिया सिर्फ डिग्री को नहीं, बल्कि सही निर्णय ईमानदारी और जिम्मेदार आचरण को महत्व देती है: डॉ. भल्ला

मानव रचना विश्वविद्यालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल को न्याय व्यवस्था, न्यायिक सुधारों तथा मानव गरिमा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (मानद) उपाधि प्रदान की गई। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ.प्रशांत भल्ला ने कहा कि दीक्षांत समारोह आत्ममंथन का क्षण होता है, जब समाज स्नातकों पर अधिक जिम्मेदारी के साथ भरोसा जताता है। 521 स्नातक, 58 स्नातकोत्तर और 11 शोध उपाधियां प्रदान की गईं आप ऐसे समय में स्नातक हो रहे हैं जो देश के लिए निर्णायक है, क्योंकि विकसित भारत की यात्रा केवल नीतियों, ढांचे या तकनीक से नहीं, बल्कि लोगों की क्षमता, अंतरात्मा और साहस से तय होगी। आज की दुनिया सिर्फ डिग्री को नहीं, बल्कि सही निर्णय, ईमानदारी और जिम्मेदार आचरण को महत्व देती है।

मैं हमारे मुख्य अतिथि जे.पी. नड्डा के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं, जिनका सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने, सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और जन-केंद्रित राष्ट्रीय पहलों में योगदान उद्देश्यपूर्ण शासन का उदाहरण है। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला ने कहा कि आज आप ऐसे दौर में कदम रख रहे हैं जहां दुनिया तकनीक, पर्यावरण और मानवीय मूल्यों से मिलकर आगे बढ़ रही है।

2047 तक हम मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण करेंगे

यह अवसर जितना बड़ा है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है, क्योंकि 2047 तक हमें मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण करना है। इस यात्रा में स्वास्थ्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और नवाचार की अहम भूमिका होगी और मुझे विश्वास है कि आज की युवा पीढ़ी इस दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाएगी। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र और राष्ट्रीय विकास की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किया है। संस्थागत प्रसव 78 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गए हैं, जबकि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में गिरावट वैश्विक औसत की तुलना में लगभग तीन गुना तेज रही है। तपेदिक और मलेरिया जैसी बीमारियों में भी भारत की प्रगति वैश्विक प्रवृत्तियों से बेहतर रही है। लोगों पर पड़ने वाला स्वास्थ्य खर्च 62 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत रह गया है। जिससे आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ और किफायती बनी हैं।

अधिकारियों ने इंटीग्रेटेड मोबिलिटी को लेकर विचार विमर्श किया

इंटीग्रेटेड मोबिलिटी के लिए जीडीए, ननि व एनसीआरटीसी के समन्वय बैठक में घंटों मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में शहरी नियोजन में क्रांति लाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए)पूरी तरह से सक्रिय हो चुका है । इसके लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जहां अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हरनंदी परम योजना को अमली जामा पहनाने में लगा है । वही किसी तरह का कोई बाधा उत्पन्न ना हो या शहरी नियोजन में कोई कमी ना हो इसके लिए अन्य संबंधित विभागों से भी समन्वय बनाए हुए हैं। इसी कड़ी में जीडीए, नगर निगम व एनसीआरटीसी की एक समन्वय बैठक शुक्रवार को हुई। कई घंटे तक अधिकारियों के बीच मंथन चला।

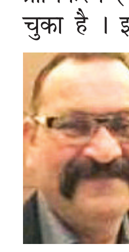

अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया

एनसीआरटीसी को जोनल प्लान तैयार करना है । इसके लिए नियुक्त एजेंसी यातायात व्यवस्था और वाहनों के दबाव का आकलन भी करेगी। साथ ही ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट को लेकर भी एनसीआरटी की भूमिका होगी। जीडीए के मुख्य अभियंता आलोक रंजन के मुताबिक यह बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। जिसमें प्रत्येक बिंदु पर जीडीए, नगर निगम व एनसीआरटीसी के अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया गया।

झटके लगे और हादसा

सूरजकुंड मेले में गिरा झूला इंस्पेक्टर की मौत, एक दर्जन घायल

बिजेन्द्र शर्मा ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुण्ड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर हस्तशिल्प मेले में एक झूला टूटने से एक इंस्पेक्टर की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जबकि इससे पहले मेले में एक सजावटी गेट गिरने से 1 व्यक्ति घायल हो गए।

सूत्रों के अनुसार सायं करीब सवा छह बजे के करीब मेले के बाहर तरफ ग्राउण्ड में लगाए गए झूला अचानक टूट गया। अचानक झूला टूटने से उसमें सवार लगभग एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। मृतक नाम जगदीश बताया जा रहा है।

हादसे के बाद घायलों की चीख-पुकार मच गई और लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। सूत्रों का कहना है

कि हादसे के वक्त झूले पर लगभग 15 व्यक्ति सवार थे। सभी घायलों को सिविल अस्पताल व अन्य अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है।मौके पर मौजूद लोगों और मेला प्रबंधन ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। अफरा-तफरी मचने से राहत कार्य में बाधा आ रही है। फिलहाल मनोरंजन क्षेत्र में सभी प्रकार के झूले बंद करवा दिए गए हैं। जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा व मेला प्रबंधक पार्थ गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

जीएसबी और रेडी मिक्स मटेरियल का किया जा रहा है इस्तेमाल

सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए ननि चला रहा है अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा मुख्य सड़कों पर गड्ढा मुक्ति का अभियान चलाया जा रहा है। निगम की सड़कों पर निरीक्षण करते हुए छोटे से छोटे गड्ढों को भी भरने का कार्य किया जा रहा है नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने निगम की सड़कों को पूर्ण रूप से गड्ढा मुक्त बनाए रखने के लिए मुख्य अभियंता निर्माण तथा टीम को निर्देश दिए हैं, इंदिरापुरम सहित, मोहन नगर, वसुंधरा, विजयनगर, कवि नगर तथा सिटी जोन में भी निर्माण विभाग टीम द्वारा गड्ढा मुक्ति का अभियान चलाया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने निर्माण की टीम को छोटे गड्ढों का भी बड़ा होने से पहले भराव करने के लिए कहा गया है। छोटे गड्ढे समय पर विशेष ध्यान देते हुए भरे जाएं ताकि छोटे गड्ढे बड़े होने पर किसी प्रकार की असुविधा का कारण ना बने विशेष ध्यान देते हुए कार्यवाही करने के लिए कहा है। ग्रैप के चलते प्लांट बंद होने की दशा में भी शहर को समस्या से निजात दिलाने के क्रम में निगम की प्रमुख सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा छोटे व बड़े गड्ढों को भरा जा रहा है जिसमें प्रथम चरण में ग्रेन्यूलर सब बेस से गड्ढे को भरा जा रहा है उसके बाद तारकोल मैक्स मटेरियल का इस्तेमाल करते हुए समतल कराया जा रहा है । मुख्य अभियंता निर्माण एन के चौधरी ने बताया कि प्लांट के बंद रहने पर रेडी मिक्स बाग जिसमें तारकोल का मटेरियल रहता है इस्तेमाल करते हुए निगम की प्रमुख सड़कों को पूर्ण रूप से गड्ढा मुक्त किया जा रहा है पिछले एक सप्ताह से अभियान जारी है बड़े गड्ढे के साथ-साथ छोटे गड्ढों का भी भराव किया जा रहा है।

बैंड ने अपनी बेहतरीन परफार्मेंस से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

सूरजकुंड मेले में सांस्कृतिक संध्या में स्वारिज्म बैंड की शानदार परफॉर्मेंस

पॉप-सूफी धुनों पर जमकर झूमे पर्यटक, खुद को थिरकने से रोक नहीं पाएं

- शानदार प्रस्तुति ने पर्यटको को थिरकने पर मजबूर किया
- प्रस्तुति ने शिल्प मेले की शाम को यादगार बना दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अरावली की सुंदर वादियों में आयोजित सूरजकुंड मेले की शाम संगीत और उत्साह के नाम रही। मुख्य चौपाल पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध स्वारिज्म पॉप-सूफी संगीत बैंड ने अपनी शानदार प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि वहां मौजूद पर्यटक खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए। बैंड ने जैसे ही तेरी दिवानी... से अपनी सुरीली यात्रा शुरू की, पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। स्वारिज्म ने पारंपरिक सूफी कलामों को आधुनिक पॉप संगीत संईया, मन भरया जैसे गीतों के मिश्रण पेश किए, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने। बैंड की ऊर्जावान प्रस्तुति ने शिल्प मेले की शाम को और भी यादगार बना दिया।

मुख्य चौपाल पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में दर्शक जुटे। अरावली की पहाड़ियों के बीच गूंजते संगीत ने माहौल को उत्सव जैसा बना दिया। बैंड ने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली परफॉर्मेंस से उपस्थित दर्शकों को पूरी तरह से मोह लिया और उनके गीतों ने सभी श्रोताओं में जोश और ऊर्जा का संचार कर दिया। कई पर्यटक अपने परिवार के साथ गीतों की लय पर झूमते नजर आए।

पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर भड़के डॉ. बीपी त्यागी

यूजीसी एक्ट के विरोध में अमरण अनशन पर बैठीं महाकाली डॉ.उदिता त्यागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल, गाजियाबाद के चेयरमैन और जाने-माने ईएनटी सर्जन डॉ. बी. पी. त्यागी ने यूजीसी एक्ट के विरोध में महाकाली डॉ. उदिता त्यागी द्वारा किए जा रहे अमरण अनशन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे "हिंदुओं का डेथ वारंट" बताते हुए कहा कि यह केवल एक कानून का विरोध नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक संरचना पर सीधा प्रहार है।

डॉ. बी. पी. त्यागी ने यहां जारी एक बयान में गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि महाकाली डॉ. उदिता त्यागी बीते कई समय से अमरण अनशन पर बैठी हैं, लेकिन उनके स्वास्थ्य को लेकर गाजियाबाद

स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लापरवाह नजर आ रहा है। अब तक उनके मेडिकल चेकअप के लिए स्वास्थ्य विभाग की कोई भी टीम मौके पर नहीं पहुंची है, जो प्रशासनिक संवेदनहीनता का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति देश, समाज और संस्कृति के लिए अपने जीवन की परवाह किए बिना संघर्ष कर रहा हो, तब प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का यह कर्तव्य बनता है कि उसकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि मानवाधिकारों के प्रति भी गंभीर उपेक्षा है। डॉ. बी. पी. त्यागी ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि शीघ्र ही गाजियाबाद स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम महाकाली डॉ. उदिता त्यागी के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मौके पर नहीं पहुंची, तो यह मामला केवल चिकित्सा लापरवाही तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले लेगा। आंदोलन की जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन और संबंधित विभागों की होगी। यह भी कहा कि देश के जागरूक नागरिक, समाजसेवी संगठन, धार्मिक संस्थाएं और सामाजिक कार्यकर्ता इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और यदि सरकार तथा प्रशासन ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई, तो यह विरोध आंदोलन व्यापक स्तर पर फैल सकता है।

यूजीसी एक्ट को लेकर उठ रही जनभावनाओं को गंभीरता से सुना जाए

डॉ. बी. पी. त्यागी ने सरकार से मांग की कि यूजीसी एक्ट को लेकर उठ रही जनभावनाओं को गंभीरता से सुना जाए, संवाद का रास्ता अपनाया जाए और आंदोलनरत लोगों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार मौलिक अधिकार है और जब विरोध शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा हो, तो उसकी अनदेखी करना न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि सामाजिक असंतोष को और अधिक बढ़ाने वाला कदम है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. & 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी इस्माईल कुरेशी उर्फ जॉनी, पुत्रः** मोहम्मद अकरम **पताः** मकान नं. 177, गली माता वाली छत्ता लाल मियाँ, दरियागंज चांदनी महल, **दिल्ली FIR No. 36147/22, U/s: 138 NI ACT, पुलिस थानाः दरियागंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इस्माईल कुरेशी उर्फ जॉनी,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इस्माईल कुरेशी उर्फ जॉनी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **इस्माईल कुरेशी उर्फ जॉनी, FIR No. 36147/22, U/s: 138 NI ACT, पुलिस थानाः दरियागंज, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (केंद्रीय)
केंद्रीय जिला कमरा नं. 241
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1297/CD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **मनोज उर्फ काली, पुत्रः** देव प्रकाश, **पताः** एक्स–19/5, गली नंबर 9, ब्रह्मपुरी, **दिल्ली FIR No. 529/21, U/s: 341/324/506 IPC, पुलिस थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनोज उर्फ काली,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनोज उर्फ काली,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मनोज उर्फ काली, FIR No. 529/21, U/s: 341/324/506 IPC, पुलिस थानाः भजनपुरा, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 73, पाँचवा तल उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1265/NE/2026
(Court Matter)

खबर संक्षेप

कोडरमा से एक साथ गायब हो गए 10 बच्चे

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा में कई बच्चों के गायब होने से हड़कंप मच गया। 10 बच्चों के गायब होने की सूचना के बाद पुलिस हरकत में आ गई और कई घंटों के लगातार प्रयासों के बाद बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। सभी बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन गयाजी के द्वारा रेस्क्यू किया गया। इस दौरान सवाल ये खड़ा हो रहा है कि आखिर कोडरमा के जयनगर से ये सभी बच्चे गयाजी कैसे पहुंच गए?

कुलदीप सेंगर ने एससी का दरवाजा खटखटाया

उन्नाव। दुष्कर्म मामले में सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ित की पिता की पुलिस हिरासत में हुई मौत से जुड़े मामले में दायर उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 9 फरवरी की तारीख तय की है। यह याचिका ऐसे समय पर आई है जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 जनवरी को सेंगर को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

नोटिस से चरखारी एमएले की बढ़ेंगी मुश्किलें

चरखारी। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के 30 जनवरी को महोबा भ्रमण के दौरान काफिला रोकने वाले चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। लगातार कार्यक्रमों में बयानबाजी व सोशल मीडिया में पोस्ट करने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब न देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।

222 अति संवेदनशील केंद्रों पर तैनात होगी स्पेशल टास्क फोर्स एवं लोकल इंटेलिजेंस यूनिट

वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन व शांतिपूर्ण ढंग से कराने के

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 222 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) की तैनाती की जाएगी। वहीं, प्रत्येक जिले में स्थापित कंट्रोल रूम पर प्रशासनिक अधिकारियों को तैनात किया जाएगा।

प्रदेश भर में 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए : बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष कुल 53,37,778 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 27,61,696 और इंटरमीडिएट के 25,76,082 परीक्षार्थी हैं। परीक्षा संचालन के लिए प्रदेश भर में 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हाल ही में मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिषद द्वारा तैयार कार्ययोजना पर शासन ने मुहर लगा दी है।

सीओ व एसओ नियमित पेट्रोलिंग करेंगे

परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम की अनिवार्य रूप से जांच की जाए तथा अति संवेदनशील केंद्रों का प्रतिदिन दो बार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाए। मजिस्ट्रेट को सामान्य तौर पर बदला नहीं जाएगा, जबकि सीओ और एसओ नियमित पेट्रोलिंग करेंगे। केंद्रों के आसपास फोटो कॉपी की दुकानों पर रोक रहेगी और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। सचिव भगवती सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी, नियमित निरीक्षण और तकनीकी नियंत्रण के माध्यम से परीक्षा को नकल विहीन बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

स्ट्रांग रूम की अनिवार्य रूप से होगी जांच

योगी ने प्रदेश सरकार व धामी की तारीफ की, कहा-

निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है उत्तराखंड देश के अन्य राज्यों के लिए बने प्रेरणास्रोत

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के इस ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर केंद्र और राज्य सरकार का जो विशेष ध्यान है, उसी के अनुरूप यहां सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करते हुए निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अध्ययन के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान पर भी विशेष बल दिया गया है। उत्तराखंड सरकार इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। कहा कि देवभूमि उत्तराखंड धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जो देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत है।

पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ सनातन संस्कृति एवं धार्मिक स्थलों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। यमकेश्वर महादेव जैसे पावन क्षेत्र में शिक्षा के आधुनिक केंद्रों का निर्माण यह दर्शाता है कि उत्तराखंड सरकार ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। नवनिर्मित इंटर कॉलेज भवन को उन्होंने क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना से गांवों में रहकर ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव हो सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने पैतृक गांव पंचूर में किया रात्रि विश्राम

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम उमड़ आया। भ्रमण के दौरान मार्ग में मुख्यमंत्री को एक बच्चे ने फूल भेंट किया तो उन्होंने मासूम को खाने का सामान दिया। बच्चे ने वह सामान वहां खड़े अपने दादा को दे दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए प्यार भरे शब्दों में बच्चे से कहा, हम भी तेरे दादा लगते हैं। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया, उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान गांव वालों ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली।

पेज एक का शेष

भारत का यूपीआई...

मूल का समुदाय निवास करता है, जो दोनों देशों को दिल से जोड़ता है। पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि भारतीय और मलेशियाई स्वाद भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं, रोटी चनाई और मलाबार परोट्टा, नारियल, मसाले और तेह तारिक जैसे पेय दोनों संस्कृतियों की साझा पहचान हैं। स्वाद चाहे कुआलालंपुर में हो या कोच्चि में, अपनापन वही महसूस होता है। कार्यक्रम के दौरान करीब 800 कलाकारों ने एक साथ अद्भुत तालमेल के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। पीएम ने कहा कि मुझे आप सभी के साथ यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत का यूपीआी जल्द ही मलेशिया में आने वाला है। हम तिरुवल्लुवर सेंटर भी खोलेंगे। मलेशिया में बड़ी तादात में तमिल निवास करते हैं। वहां करीब 500 स्कूलों में भारतीय भाषाओं में पढ़ाई की जा रही है।

मैं अपना वादा ...

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि अनवर इब्राहिम को दिग्गज अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत भी बेहद पसंद हैं।

आजाद हिंद फौज ....

लोगों में शामिल थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर मलेशिया में नेताजी सर्विस सेंटर और नेताजी वेलफेयर फाउंडेशन के प्रयासों को भी नमन किया और उनके योगदान की सराहना की।

भारत की सफलता ...

अभी लगाया गया था। अब भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल मैन्युफैक्चरर्स में से एक है। हम दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बना चुके हैं।

मंत्री शाह ने चौथी बार ...

गलती भविष्य में फिर कभी नहीं होगी। मंत्री शाह ने कहा कि यह मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावना को सही संदर्भ में समझा जाएगा।

दिल्ली, मुंबई, ...

न होना है। ड्राइवरों का आरोप है कि इन दिशानिर्देशों के बावजूद कंपनियां अपनी मनमर्जी से किराया तय कर रही हैं। ड्राइवरों का कहना है कि सरकार ने पैनिक बटन लगाना अनिवार्य किया है, लेकिन राज्य सरकारों ने केंद्र द्वारा अनुमोदित 70% कंपनियों को अवैध घोषित कर दिया है।

"बीज से बाज़ार तक" ...

और दाल मिल प्रतिनिधि जुटे– और संदेश साफ़ था: दलहन में आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप अब खेतों के बीच से तय होगा, दिल्ली के फाइलों के कमरों से नहीं।

एक तरफ अमलाहा (सीहोर) में खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र से 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का रोडमैप तय हुआ, तो दूसरी तरफ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष की आशंकाओं को ख़ारिज करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि दालें आयात करना हमारे लिए शर्म की बात है, अब भारत दालों का निर्यातक बनेगा और हालिया अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद भारत के किसान के हितों पर ज़रा सी भी आंच नहीं आने दी जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने स्पष्ट कहा कि विपक्ष का "देश बेच दिया, किसान बेच दिए, किसान बर्बाद हो जाएंगे" वाला नैरेटिव आज के तथ्य सामने आने के बाद टिक नहीं सकता। 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' की राष्ट्रीय बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आप समझ सकते हैं कि पूरा हिंदुस्तान आज अमलाहा में इकट्ठा हो गया है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है, दलहन में भी भारत आत्मनिर्भर बने, दालें बाहर से नहीं मंगाएँगे, बल्कि कल ऐसी स्थिति आए कि हम दालों का निर्यात करेंगे। इसके लिए उन्होंने 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' बनाया है। आज उसी मिशन की राष्ट्रीय बैठक यहाँ की गई है।

विपक्ष पर वार: "किसान बर्बाद हो जाएगा" की अफ़वाहें झूठी साबित : भारत–अमेरिका समझौते को लेकर चल रही राजनीतिक बहस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने विपक्ष को कठोर शब्दों में घेरा। उन्होंने कहा कि हमारा विपक्ष हाय–तौबा मचा रहा था कि अमेरिका के साथ ऐसा समझौता हो जाएगा जिसमें भारत का किसान तबाह हो जाएगा, बर्बाद हो जाएगा ।

उन्होंने याद दिलाया कि यह वही नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने कहा था "देश नहीं झुकने दूँगा" और यह भी कहा था कि चाहे कितनी बड़ी कीमत क्यों न चुकानी पड़े, किसानों के हितों की रक्षा करेंगे। किसानों की मुख्य चिंता पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वह केवल किसानों के पक्ष की चर्चा करेंगे। हमारे प्रमुख अनाज मक्का, बड़ा हल्ला मचाया जा रहा था कि आ जाएगा– बिल्कुल नहीं आएगा। मक्का, गेहूँ, चावल, सोयाबीन, पोल्ट्री, दूध, पनीर, इथेनॉल, तंबाकू, कई सब्जियाँ और उसके अलावा कृषि और डेयरी उत्पाद कई तरह के पूरी तरह से सुरक्षित रखे गए हैं।

{ आवरण कथा / सरस्वती रमेश }

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्ज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है, वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के

लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिससे अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। निस्प्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए, प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

{ नया दौर / डॉ. अनिता राठौर }

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं। आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

{ कविता / आरती आस्था }

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

{ व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी }

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के कार्ड्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

{ लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना' }

सच्चा प्यार

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

वन्य जीव केंद्र में विजिटर्स को मिलेगा इंटरनेशनल एक्सपीरियंस, उज्जैन में 500 हेक्टेयर क्षेत्र में बनेगा वाइल्ड लाइफ सेंटर सह रेस्क्यू सेंटर, ईको टूरिज्म पार्क किया जाएगा शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, विशेषकर वन्य पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में उज्जैन और जबलपुर में आधुनिक वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर का निर्माण किया जा रहा है।

दोनों ही शहरों के लिए कंसल्टेंट फर्म की नियुक्ति पूरी हो चुकी है और जल्द ही प्रदेश को दो नए वाइल्ड लाइफ सेंटर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उज्जैन में प्रस्तावित वन्य जीव केन्द्र के संबंध में नियुक्त कंसल्टेंट फर्म के पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि उज्जैन में इस केन्द्र को वनतारा मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जाए, ताकि यहां आने वाले विजिटर्स को दुनिया के अलग-अलग जंगलों का अनुभव एक ही स्थान पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में लगभग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल सफारी आधारित वाइल्ड लाइफ सेंटर विकसित किया जाए। इसके साथ ही पहले से विकसित 50 हेक्टेयर का ईको टूरिज्म पार्क भी इस परियोजना में शामिल किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केन्द्र अन्य वन्य जीव केन्द्रों से अलग और विशिष्ट होना चाहिए, जहां वन और वन्य प्राणियों की विविधता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में उज्जैन में वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर के निर्माण के सम्बंधित मीटिंग में निर्देश दिए।

2026 में शुरू होगा फेज-1 बनेगा फॉरेस्ट टूरिज्म हब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 में फेज-1 का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए और परियोजना को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि उज्जैन को सफारी एक्सपीरियंस के साथ एक प्रमुख फॉरेस्ट टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इस परियोजना को टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ समन्वय में एक भव्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए।

छह चरणों में निर्माण, 11 जंगलों का मिलेगा अनुभव

बैठक में कंसल्टेंट फर्म द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। बताया गया कि इस केन्द्र में विजिटर्स को देश-दुनिया के 11 अलग-अलग जंगलों का अनुभव कराया जाएगा। परियोजना का निर्माण कुल छह चरणों में किया जाएगा।

- *2026 में पहला चरण शुरू होगा*
- *2027 के अंत तक पहला चरण पूरा किया जाएगा*
- *यहां बिना दिखाई देने वाली बाड़ के खुले जंगल विकसित किए जाएंगे। विजिटर्स पैदल भ्रमण, बग्घी, सफारी वाहन और सेवा वाहनों के माध्यम से केन्द्र का भ्रमण कर सकेंगे। इसके साथ ही डे और नाइट सफारी का अनुभव भी उपलब्ध रहेगा।*
- *300 से अधिक देशी-विदेशी प्रजातियां, रेस्क्यू सेंटर भी होगा शामिल*
- *वन्य जीव केन्द्र में 300 से अधिक देशी और विदेशी प्रजातियों के वन्य प्राणी होंगे। इनमें 75 प्रतिशत देशी और 25 प्रतिशत विदेशी प्रजातियां शामिल रहेंगी। इसके अलावा यहां एक आधुनिक रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।*
- *कंसल्टेंट फर्म के अनुसार, विश्व में पहली बार उज्जैन में असली जंगल आधारित चिड़ियाघर सफारी का अनुभव विजिटर्स को मिलेगा, जो इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान देगा।*

खबर संक्षेप

कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा को मिला सुपर कवच

भोपाल। मप्र का श्रम विभाग श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार नए नवाचारों और प्रभावी विचारों पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग की अनूठी पहल 'हर्ट फ्री डेज' कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक मजबूत और कारगर मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। इस प्रणाली के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों और जिम्मेदारियों का कितना प्रभावी ढंग से पालन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में श्रम विभाग की अभिनव पहल हर्ट फ्री डेज के सकारात्मक परिणाम

30 नक्सलियों ने हथियार डाल पुलिस के समक्ष किया सरेंडर

बीजापुर । नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान को बड़ी सफलता मिली है। इस पहल के तहत, बीजापुर क्षेत्र में सक्रिय 30 नक्सलियों ने अपने हथियार डाल दिए और लाल गलियारे को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं।

यह घटना नक्सली संगठनों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है और क्षेत्र में शांति तथा विकास के प्रयासों को मजबूती प्रदान करती है। हिंसक जीवन त्यागकर नई शुरुआत समर्पण करने वाले इन 30 नक्सलियों ने अपने हिंसक जीवन को त्यागकर एक नई शुरुआत करने का निर्णय लिया है। उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के तहत सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य उन नक्सलियों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना है जो हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और

सीएम हाउस में आयोजित एनसीसी मप्र-छग 'मुख्यमंत्री बैनर' को किया संबोधित

युवाओं को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन व नेतृत्व की ताकत देती है एनसीसी: सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति के संस्कार देने वाला एक सशक्त मंच है। 'मुख्यमंत्री बैनर' जैसे कार्यक्रम युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर उन्हें जिम्मेदार और राष्ट्रनिर्माण में सहभागी नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एनसीसी मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ 'मुख्यमंत्री बैनर' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से प्रदेश के विकास में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, विशेष रूप से युवाओं को। उन्होंने कहा कि युवा अपनी असीम ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना पूरी शक्ति के साथ देश की सीमाओं की रक्षा कर रही है। भारत ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया, बल्कि विश्व शांति के लिए अपनी पहचान बनाई है। जब-जब आतंकवादियों ने दुस्साहस किया, भारतीय सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाते हुए पड़ोसी देश में छिपे आतंकियों को उनके ठिकानों पर जाकर जवाब दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेनाओं में नारी सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। गणतंत्र दिवस-2026 का समारोह नारी सशक्तिकरण को समर्पित रहा। पहली बार अर्धसैनिक बल की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व महिला अधिकारी ने किया। गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश की 23 एनसीसी कैडेट्स को मार्च करते देख गर्व का अनुभव हुआ।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) में बेस्ट एनसीसी कैडेट्स प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने पर मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय को बधाई दी।

सीएम ने मुख्यमंत्री बैनर कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स को चेक प्रदान किया।

5 साल में राज्य के बजट को दोगुना करने का संकल्प

सरकार ने तैयार किया किसान कल्याण के लिए पांच वर्ष का रोडमैप: मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने किसान कल्याण के लिए आगामी 5 वर्षों का रोडमैप तैयार किया है। सबको प्रोत्साहन देते हुए 5 साल में राज्य के बजट को 15 प्रतिशत की वृद्धि दर के हिसाब से दोगुना करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करेंगे और राज्य को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएंगे। डॉ. यादव इन्दौर में ऑल इंडिया दाल मिल एसोशिएशन के ग्रेन-एक्स इंडिया प्रदर्शनी अंतर्गत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश, देश में खाद्यान्न उत्पादन में दूसरे स्थान पर हैं।

कई क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान बना रहा मध्यप्रदेश

दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा

सीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश में दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। खाद्य प्रसंस्करण पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों सहित उद्यमियों को भी लाभ होगा, इंदौर में उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।

चंडीगढ़ में बोले सीएम नायब सैनी

पारदर्शी भर्ती से बदल रही तस्वीर हजारों युवाओं को मिला रोजगार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प-पत्र में 217 संकल्प लिए थे, जिनमें से 60 पूरे किए जा चुके हैं और शेष संकल्पों पर तेजी से काम चल रहा है, जिन्हें जल्द पूरा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का संविधान पूरी मजबूती से लागू है और सरकार संविधान की भावना के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी शासन के लिए भाजपा को चुना है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ा है। इसी विश्वास के आधार पर राज्य में डबल इंजन सरकार को तीसरी बार बड़ा जनादेश मिला है। राज्य में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है, जिससे गरीब परिवारों के बच्चे भी बिना सिफारिश के सरकारी नौकरियां हासिल कर रहे हैं। शपथ ग्रहण से पहले ही 24,000 युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए गए और इस वर्ष भी बड़े स्तर पर भर्तियां की जा रही हैं। आयोग के माध्यम से भी भर्ती प्रक्रिया जारी है। सरकार सभी रिक्त पदों को पारदर्शिता के आधार पर भर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा देश के अन्य राज्यों में भी अपनी प्रतिभा से स्थान बना रहे हैं और दूसरे राज्यों के युवा भी यहां अवसर पा रहे हैं। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संकेत है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में न तो भेदभाव होता है और न ही सिफारिश की संस्कृति, बल्कि योग्य युवाओं को ही अवसर मिलता है।

तथ्य आधारित सुझावों से ही मजबूत होगा लोकतंत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1984 की घटनाओं से जुड़ी पीड़ा आज भी लोगों के मन में है और ऐसे मामलों में संवेदनशीलता जरूरी है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब सरकार विपक्ष की बात भी सुने और जनहित के अच्छे सुझावों को स्वीकार करे। विधानसभा में भी विपक्ष को बार-बार तथ्य आधारित सुझाव देने के लिए कहा जाता है, जिन्हें सरकार अवश्य अपनाएगी, लेकिन बिना तथ्यों के आरोप लगाना लोकतंत्र को कमजोर करता है।

बस्तर पंडुम को लोग उत्सव की तरह जीते हैं, यहां की संस्कृति करती है आकर्षित: राष्ट्रपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' की शुरुआत करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम को लोग उत्सव की तरह जीते हैं। यहां की सुदरता और संस्कृति लोगों को बेहद आकर्षित करती है। आदिवासियों की संस्कृति सबसे प्राचीन, मीठी और अनमोल है। आदिवासी सिंगल डांस ही नहीं करते वे कम्युनिटी डांस करते हैं।

उन्हें एक साथ रहना पसंद करते हैं और एक साथ उत्सव मनाना भी पसंद हैं। जब भी मैं छत्तीसगढ़ आती हूं, ऐसे में मुझे लगता है कि मैं अपने घर आई हूं। यहां के लोगों से जो अपनत्व और स्नेह मुझे मिलता है। यह ऐसे कई नायकों की धरती है, जिन्होंने भारत भूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किये। उन्होंने कहा कि जब इस उर्वर धरती में किसान बीज छिड़कते हैं, तब ये पंडुम होता है। जब आम का मौसम आता है, तब पंडुम होता है। बस्तर के लोग जीवन को उत्सव के रूप में जीते हैं। जीवन जीने का ये तरीका सभी देशवासी बस्तर के निवासियों से सीख सकते हैं। राष्ट्रपति ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे पूर्व नक्सलियों की सराहना करते हुए कहा कि मेरा उनसे अनुरोध है कि वो देश के संविधान और लोकतंत्र में पूरी आस्था रखें। वहीं देश विरोधी ताकतों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग बरगला रहे हैं, उन लोगों पर विश्वास ना करें बल्कि संविधान पर भरोसा रखें।

पूर्व नक्सलियों के लिए कहा, देश के संविधान और लोकतंत्र में रखें पूरी आस्था

मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने सुनी कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होने कार्यकर्ताओं की जनसमस्याओं को सुना और अनेक मामलों का मौके पर ही समाधान किया। मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सहयोग सेल के माध्यम से संगठन के जो कार्यकर्ता है उनके सार्वजनिक जीवन में निश्चित रूप से कई जनहित के काम उनके पास आते हैं। इस तारतम्य में संगठन ने यह व्यवस्था बनाई है। प्रतिदिन मंत्रिमंडल के साथियों में से कोई ना कोई यहां पर उपस्थित रहते हैं, इसी दृष्टि से आज मैं यहां आया हूं। आज प्रदेश कार्यालय में आमजन और कार्यकर्ताओं की जनसमस्याओं को सुना। पूरे मध्यप्रदेश से विभिन्न स्थानों से कार्यकर्ता पधारे, मैंने उनकी जनसमस्याओं को सुना। अनेक मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं शीघ्र निराकरण के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

कंकाली तालाब में तैरता मिला अज्ञात शव

रायपुर। राजधानी के पुरानी बस्ती क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब कंकाली तालाब में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ देखा गया। तालाब में शव दिखने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर पुरानी बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि शव करीब दो से तीन दिन पुराना हो सकता है। हालांकि मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

सिंघार ने लगाया आरोप: मिसिंग पर्सन में देश में मध्यप्रदेश नंबर-1 पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ा, 60 हजार लोग आज तक लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश अब देश में मिसिंग पर्सन के मामलों में पहले स्थान पर पहुंच गया है। संसद के मौजूदा सत्र में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020 में प्रदेश में जहां 48 हजार मिसिंग थे, वहीं 2023 तक यह संख्या बढ़कर 60 हजार हो गई है। इसी के साथ मध्य प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ दिया है, जो 2020 में 52 हजार मामलों के साथ पहले स्थान पर था। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उमंग सिंघार ने भी मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार को घेरा।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन 60 हजार बिना तलाश मामलों में करीब 44 हजार महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इनमें 39 हजार वयस्क महिलाएं, 3,725 नाबालिग लड़कियां और 1,110 नाबालिग लड़के अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

आंकड़े साफ बताते हैं कि मध्य प्रदेश में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर हालात बेहद गंभीर हैं। लापता हुए हर तीन लोगों में से दो महिलाएँ या बच्चे हैं, जिन्हें खोजने में पुलिस पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

तीन साल में 1.53 लाख मिसिंग केस

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2023 के बीच प्रदेश में कुल 1.53 लाख मिसिंग केस दर्ज हुए। हर साल की शुरूआत में चलाए जाने वाले ऑपरेशन मुस्कान जैसे अभियानों के बावजूद मामलों की संख्या लगातार बढ़ती गई। कैग की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य प्रदेश पुलिस 25-30 फीसदी कम क्षमता पर काम कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने महिला संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित

अब देश में टैक्स बचाने की नहीं, बल्कि देने की मानसिकता विकसित हो रही है: खंडेलवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को एलएनसीटी ऑडिटोरियम में केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रचार अभियान के तहत आयोजित महिला संवाद को संबोधित किया।

प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो बजट पेश किया है, वह न केवल आने वाले भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, बल्कि यह नई दिशा में देश को अग्रसर करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और इस बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं, जिनसे महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त होंगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरीश उर्फ बाबू** पुत्र तेजिंदर सिंह, निवासी- आर जेड- सी /126 ई, महावीर एन्क्लेव, पालम, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 312/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना सागरपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरीश उर्फ बाबू** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **हरीश उर्फ बाबू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **हरीश उर्फ बाबू, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 312/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना सागरपुर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री अरिदमन सिंह चीमा, एलडी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कमरा नंबर 28, मुख्य भवन
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/1678/SW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पंकज पोपली, पुत्रः जोगिंदर पोपली, निवासी 2379, सेक्टर–29, फरीदाबाद, हरियाणा** ने **CC No. 5068/24, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना पहाड़गंज, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **पंकज पोपली** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पंकज पोपली** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 5068/24, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना पहाड़गंज, दिल्ली** के अभियुक्त **पंकज पोपली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री आरुषि परवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05 (एन आई)
सेंट्रल, कमरा नं. 02, एनेक्सर–01
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1719/CD/2026

भारत और अमेरिका के मध्य दीर्घकाल से जारी बातचीत के तत्पश्चात व्यापार समझौते को लेकर एक सकारात्मक सहमति बन गई है। व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सामान पर आयाद किया गया 50 फीसदी टैरिफ घटाकर मात्र 18 फीसदी कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ घटने से भारतीय बाजार में उत्साह है। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल आयात बंद करने के लिए दबाव बनाया है। हालांकि, अभी तक इस बारे में मोदी सरकार की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। वहीं, कृषि फसलों को लेकर देश का किसान वर्ग चिंतित है। विपक्ष और खास तौर पर कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में है, जबकि कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। अमेरिकी के साथ यह ट्रेड डील भारत के लिए लाभदायक होगी या नहीं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मायने

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

भारत और अमेरिका के मध्य दीर्घकाल से जारी बातचीत के तत्पश्चात व्यापार समझौते को लेकर एक सकारात्मक सहमति बन गई है। हालांकि अभी तक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का संपूर्ण प्रारूप सामने नहीं आया है। व्यापार समझौते के विषय में केवल राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किया गया ऐलान और अमेरिकी प्रवक्ता मार्गरेट मैकलियोड द्वारा प्रदत्त जानकारी ही उपलब्ध हुई है। मैकलियोड ने फरमाया कि भारत द्वारा रूस से तेल का आयात बंद कर देने के वादे के तत्पश्चात भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से अमेरिका को आयात किए जाने वाले सामान पर आयाद किया गया 50 फीसदी टैरिफ घटाकर मात्र 18 फीसदी कर दिया है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा रूस से तेल का आयात एकदम बंद कर देने के विषय में कोई उद्घोषणा अभी तक नहीं की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान किया है कि यदि भारत द्वारा पूर्णरूपेण रूस से तेल का आयात रोका नहीं किया गया तो फिर अमेरिका-भारत व्यापार समझौता रद्द कर दिया जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान किया है कि यदि भारत द्वारा पूर्णरूपेण रूस से तेल का आयात रोका नहीं किया गया तो फिर अमेरिका-भारत व्यापार समझौता रद्द कर दिया जाएगा। यदि वास्तव में भारत ने रूस से तेल आयात रोक दिया तो मोदी को अपनी शक्तिशाली राजनीतिक छवि बचाना मुश्किल हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अभी अमेरिका में कोई इंवेस्टमेंट करने का कमिटमेंट नहीं किया गया है। यह स्वाभाविक है कि भारत को विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अधिक प्रोडक्ट खरीदने पड़ सकते हैं।

रूस से तेल का आयात कम

उधर, रूस सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि रूस से तेल नहीं खरीदने को लेकर भारत ने कोई जानकारी अभी तक प्रदान नहीं की है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार समझौते से पहले ही भारत सरकार द्वारा रूस से तेल का आयात काफी कम कर दिया गया है। विगत कुछ वर्षों से रूस से भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 50 प्रतिशत तेल आयात करता रहा था, किंतु अब केवल 25 प्रतिशत तेल आयात कर रहा है। रूस से तेल आयात कम कर देने के सवाल पर विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार पर अत्यंत आक्रामक है। विपक्ष द्वारा यह इल्जाम लगाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। यदि वास्तव में ही भारत ने अमेरिका व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल आयात करना एकदम रोक दिया तो नरेंद्र मोदी को अपनी शक्तिशाली राजनीतिक छवि बचाना मुश्किल हो जाएगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अभी अमेरिका में कोई इंवेस्टमेंट करने का कमिटमेंट नहीं किया गया है। यह स्वाभाविक है कि भारत को विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अधिक प्रोडक्ट खरीदने पड़ सकते हैं।

भारत के लिए अमेरिका बड़ा बाजार

यक्ष प्रश्न है कि क्या भारत - अमेरिका व्यापार समझौते के तत्पश्चात भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक स्थिति और अधिक शक्तिशाली बन जाएगी अथवा कमजोर पड़ जाएगी। भारत का राजनीतिक विपक्ष इस वक्त जबकि भारत अमेरिका समझौता एक प्रारूप ले चुका है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर बेहद आक्रामक है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका वस्तुतः भारतीय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा बाजार रहा है। इस व्यापार समझौते के बाद होने वाले परिवर्तनों में छोटे निवेशकों की चिंता बहुत कुछ बढ़ा दी है। इसका कारण यह है कि आने वाले वक्त में भारत से अमेरिका को 800 डॉलर तक के सामान को बिना शुल्क भेजने की सुविधा समाप्त कर दी जाएगी। विगत वर्ष 2025 में जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ युद्ध प्रारंभ किया गया था तो फिर चरणबद्ध तौर तरीकों से भारतीय सामान पर 50 फ़ीसदी तक टैरिफ आयद कर दिया गया था। सर्वविदित है कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों में एक विशाल संख्या छोटे उद्योगों के मालिकों और उनमें कार्य करने वाले करोड़ों श्रमिकों की रही है।

रोजगार और आय प्रभावित

अमेरिका को निर्यात करने वाले सामान में आई कमी का सीधा प्रभाव रोजगार और आय पर पड़ता है। अमेरिका की धारा 321 के अंतर्गत मिलने वाली सुविधा कस्टम प्रक्रिया को भी तेल और सम बनती है जिससे निर्यातक पूरी तरह अनुपालन के साथ व्यापार कर सकते थे इस सुविधा के अभाव में भारतीय निर्यातक यकीनन उन देशों की तुलना में पिछड़ जाएंगे जिन्हें अभी तक ऐसी छूट उपलब्ध है। अमेरिकन टैरिफ आयद होने के बाद हस्तशिल्प और श्रम पर आधारित उत्पाद बनाने वाले छोटे उद्यमी अब अधिक लागत के कारण अमेरिका बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे हैं। पहले से मिलने वाली सीमा ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी सुगम बनाती थी। अमेरिकी ग्राहकों को सीधे भारतीय उत्पाद पहुंचना होता था। अतिरिक्त शुल्क या जटिल दस्तावेज की प्रक्रिया की आवश्यकता ही नहीं होती थी। रूस भारत का दशकों पुराना मित्र रहा है। भारत एक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र रहा है और महाशक्तियों के मध्य कशमकश के दौर में भारत किसी भी सैन्य गुट में कदाचित शामिल नहीं हुआ। अमेरिका का जबरदस्त दबाव है कि टैरिफ केवल तभी कम किया जाएगा, जबकि भारत रूस से तेल खरीदना एकदम बंद कर देगा।

इस कठिन परीक्षा में यदि भारत वस्तुतः अमेरिका के समक्ष जरा सा भी झुक गया और उसने रूस के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को शिथिल कर दिया तो फिर नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए अपनी साख बचाना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा। राजनीतिक विपक्ष को भरपूर मौका मिल जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कटघरे में खड़ा कर सके और राष्ट्र के हितों को ताक पर रखने का संगीन इल्जाम आयद कर सके। इस राजनीतिक स्थिति को नरेंद्र मोदी की सरकार बाकायदा समझती है। अतः डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर थोपी गई रूस से तेल एकदम नहीं खरीदने की शर्त को कदाचित भी मोदी सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

भारत न झुका है और न झुकेगा

डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिकन देश वेनेजुएला के तेल पर आधिपत्य करने के पश्चात यह दावा पेश कर रहे हैं कि उनके पास दुनिया का 70 प्रतिशत तेल है। डोनाल्ड ट्रंप का दबाव है कि भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदना पड़ेगा। एक हद तक भारत ने अमेरिका के कृषि क्षेत्र के लिए अपना मार्केट खोल दिया है। हालांकि मुख्य तौर पर भारत के डेयरी क्षेत्र और मुख्य कृषि उत्पादन के लिए अमेरिकन कृषि उत्पादों के लिए भारतीय मार्केट नहीं खोला गया है। भारत ने यूरोपीय यूनियन के साथ भी सम्मानजनक व्यापार समझौते पर दस्तखत किए हैं। केवल अमेरिका ऐसी अनुचित शर्त भारत पर थोपने की कोशिश कर सकता है कि भारत अमेरिका के कूटनीतिक हुकुम का पालन करे। भारत कभी भविष्य में ऐसा नहीं करेगा।

भारत के हित में है अमेरिकी ट्रेड डील

मुद्दा

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ पत्रकार

महीनों बातचीत के उपरांत आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील ने मूर्त रूप लेना शुरू कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ घटने से बाजार बम-बम है और कारोबार का पहिया नाच उठा है। दोनों देशों के कारोबारियों के माथे पर जो द्विपक्षीय व्यापारिक तनाव की शिकन थी, अब वह उत्साह में तब्दील हो चुकी है। आर्थिक संबंधों की नई उर्जा के प्रवाह ने निर्यात के उछाल की उम्मीद जगा दी है। टैरिफ घटने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। भरोसे का संकट खत्म हुआ है और संबंधों के एक नए युग की नींव पड़ गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई 2025 में 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था और उसके बाद रूसी तेल खरीद पर अतिरिक्त 25 फीसदी पेनॉल्टी लगाकर टैरिफ को 50 फीसदी कर दिया था। इससे न केवल भारत की मुश्किलें बढ़ी थी, बल्कि अमेरिकी बाजार भी अनिश्चितता की भेंट चढ़ने लगा था। अर्थात टैरिफ बढ़ाने का खामियाजा अमेरिका को ही भुगतने की नौबत आन पड़ी। भारत पर टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में न सिर्फ महंगाई बढ़ने लगी, बल्कि उसे कम जीडीपी और डॉलर के कमजोर होने का खतरा भी उत्पन्न हो गया। टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव का नकारात्मक असर अमेरिका पर साफ दिखने लगा। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भारत पर टैरिफ कम करने का दबाव बढ़ गया। स्वागत योग्य है कि ट्रंप ने भारत से 50 फीसदी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। रूस के साथ तेल व्यापार के चलते लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। सकल आंकलन करें तो 32 फीसदी टैरिफ की राहत मिली है। इससे अमेरिका में कारोबार करने वाली बड़ी कंपनियों की मार्जिन में सुधार होगा और उनकी माली सेहत भी मजबूत होगी। अब भारत को दीर्घकालिक रणनीति के रोडमैप को मूर्त रूप देकर वैश्विक कारोबारी चुनौतियों से पार पाना होगा। यहां अच्छी बात यह है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत पर अभी भी टैरिफ कम है। अब हम बेहतर उत्पाद और कम टैरिफ के साथ अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। इसी तरह चीन की तुलना में भी टैरिफ कम है। इस कारण चीन से हमें अतिरिक्त डिमांड मिलने की संभावना प्रबल हो गई है। गौर करें तो अमेरिका ने जिन सेक्टरों पर टैरिफ घटाया है वे हमारे श्रम-उत्पाद निर्यात की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। इन सेक्टरों से हम बड़े पैमाने पर अमेरिका को निर्यात करते हैं। इनमें रेडिमेड गारमेंट, जूलरी, झींगा मछली, हीरे-जवाहरात, इंजीनियरिंग सामान, कीमती पत्थर इत्यादि प्रमुख हैं। गौर करें तो अमेरिकी टैरिफ घटने से सोने-चांदी की जूलरी पर 25 फीसदी, रेडिमेड गारमेंट पर 37 फीसदी, कालीन पर 13.7 फीसदी, बेडशीट पर्दे पर 27 फीसदी और झींगा तथा हीरे पर 7 फीसदी टैरिफ कम हुआ है। इससे इन सेक्टरों के उत्पादों की लागत में कमी आएगी और डिमांड बढ़ेगी। टैरिफ में कमी का सीधा फायदा भारत के उन उद्योगों को मिलेगा, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, टैरिफ कम होने से भारतीय उपभोक्ताओं को लैपटॉप, मोबाइल, गैजेट्स, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उनके पार्ट कम कीमत पर उपलब्ध होगा। ट्रेड डील पर संशय के बादल छंटने से अब विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रुख तेज करेंगे। विशेष रूप से अमेरिकी निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा बढ़ेगा। ऐसा इसलिए कि भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध वर्तमान में अपने सबसे मजबूत दौर में है। वर्ष 2000 से वर्ष 2025 के बीच अमेरिका भारत में तीसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है, जिसमें 70.65 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है। वित्त वर्ष 2025 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 132.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। अच्छी बात यह है कि भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों मसलन कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। इसे लेकर ढेर सारी आशंकाएं जताई जा रही थी, लेकिन कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

रूस से तेल खरीद पर संशय बरकरार

रणनीति

डा. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतिक्षित व्यापार समझौते पर सहमति हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दोस्ती और सम्मान के कारण और उनके अनुरोध पर व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। समझौते के तहत अमेरिका एक कम पारस्परिक वाले टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। जबकि नई दिल्ली अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क घटाकर शून्य कर देगी । ट्रंप ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात को शून्य करने पर सहमति जताई है। भारत अब रूस की बजाए अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। इससे यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी। भारत कृषि जैसे संवेदनशील बाजारों को खोलेगा और अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदेगा। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में 18 प्रतिशत टैरिफ किए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने ट्रंप को धन्यवाद दिया और वैश्विक शांति के लिए उनके प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया। लेकिन मोदी ने ट्रंप की उस घोषणा पर कुछ नहीं कहा जिसमें उन्होंने अमेरिका या वेनेजुएला से तेल खरीदने, कृषि बाजार खोलने की बात कही है। हालांकि मोदी सरकार ने रूस से तेल की खरीद बंद किए जाने के दावे पर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सरकार का कहना है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी आधार पर आयात से जुड़े फैसले किए जाते हैं। ट्रंप की कथित पोस्ट के बाद जो सवाल देश को परेशान कर रहे हैं ,उनमें एक सवाल रूस से तेल खरीद को लेकर भी है। रूस भारत का रणनीतिक सहयोगी और सदाबहार दोस्त है। पिछले लंबे समय से भारत रूस से कच्चे तेल का आयात कर रहा है। वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है। जाहिर है कि भारत मॉस्को के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को खराब नहीं करेगा। हालांकि, आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले कुछ माह में भारत की रिफाइनरियों ने रूसी तेल के ऑर्डर में भारी कटौती की है। रिलायंस इंड्रस्टीज ने तो यहां तक कह दिया है कि उसे जनवरी 2026 में रूस से कोई तेल नहीं मिला। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में आयात में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई हैं । नवंबर में यह 3.7 अरब डॉलर था। दिसंबर 2024 के मुकाबले पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में यह 15 प्रतिशत कम है। दिसंबर 2025 में भारत के कुल 11.4 अरब डॉलर के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही। अहम बात यह है कि इस अवधि के दौरान अमेरिका से तेल आयात की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। दरअसल, अमेरिकी प्रतिबंधों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच रूस से होने वाला आयात पिछले कई महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। कहा जा रहा है कि इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका द्वारा रूस की दिग्गज तेल कंपनियों रोजनेफट और लुकोइल पर लगाए गए कड़े प्रतिबंध है। दूसरा अहम सवाल यह है कि क्या भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदना चाहिए। दरअसल वेनेजुएला की भारत से दूरी काफी ज्यादा है। इससे तेल की लागत हर बैरल पर 374 डॉलर बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब तक वेनेजुएला भारत को तेल खरीद पर बड़ी छूट न दे भारत को फायदा नहीं होगा। ऐसे में अगर भारत ट्रंप की इस मांग को दरकिनार कर देता है तो क्या समझौता मूर्त रूप ले सकेगा यह सवाल भी अहम है। इन तमाम सवालों के जवाब तभी सामने आएंगे, जब व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। हालांकि समझौते को लेकर टंप प्रशासन और मोदी सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। जब तक समझौते का वास्तविक स्वरूप अर्थात ड्राफ्ट सामने नहीं आता, तब तक यह कहना मुश्किल है कि समझौते में बनी सहमति किसके हित सुनिश्चित करती है।

वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है।

टैरिफ वार छेड़ने वाले ट्रंप आखिर भारत के सामने नतमस्तक हुए

कूटनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो ये भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमेरिका की इसी आक्रमकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेज़ी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं।

इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों में सैद्धांतिक सहमति बन गई है, लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक़्त लग सकता है क्योंकि इसे क़ानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पार्लियामेंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमेरिका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौता अमेरिका को आर्थिक से ज़्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा। यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था।

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमेरिका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही भारत--ईयू डील को विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है, दुनिया को जब ट्रंप का टैरिफ वॉर झकझोर रहा था, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमेरिका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रंप को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ़ कारोबार तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, ख़ासकर अमेरिकी की आक्रामक कारोबार नीति पर। अमेरिका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाज़ार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दर्शाता है। इसी कदम ने संभवतः अमेरिका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रंप को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलने पड़े। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमेरिका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां पेश भी करता है। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा।

अगर अमेरिका और ईयू जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। ये समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह ग्लोबल ट्रेंड भारत को 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और ईयू के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी।

कृषि उपज के लिए बाजार न खोलना बड़ी सफलता

ट्रेड डील

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। शनिवार को जारी मसौदे के मुताबिक भारत ने अपने कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए नहीं खोला।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल, इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। इसके चलते भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। ऐसे में भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। हालांकि, कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनी पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है, लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा।

इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं।

गृहमंत्री शाह ने जम्मू और कश्मीर में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की

बैठक में सड़क, बुनियादी ढांचे, जल विद्युत परियोजनाओं, बिजली, उद्योग, पर्यटन, 4जी और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकास की व्यापक समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू में जम्मू और कश्मीर में विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, केन्द्रीय गृह मंत्री ने सड़क बुनियादी ढांचे, जल विद्युत परियोजनाओं, बिजली, उद्योग, पर्यटन, 4G और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकास की व्यापक समीक्षा की। बैठक में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला, केन्द्रीय गृह सचिव और केन्द्र सरकार और जम्मू और कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार द्वारा विकास में तेजी लाने के लिए किए जा रहे निरंतर और समर्पित प्रयासों से जम्मू और कश्मीर में विकास परियोजनाओं में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को जल विद्युत परियोजनाओं के पूरी क्षमता को विकसित करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याण योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त करना और सभी विकास परियोजनाओं का लाभ लाभार्थियों को मिलना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि युवाओं को विकास के साथ जोड़ने के लिए स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और स्पोर्ट्स अकादमियों की स्थापना पर ध्यान दिया जाए। इस विषय में विभिन्न स्पोर्ट्स बॉडीज से बात करके लगभग 200 करोड़ रुपए के निवेश की कोशिश की जाएगी। गृह मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मज़बूत वित्तीय अनुशासन से समय के साथ केंद्रशासित प्रदेश के वित्तीय घाटे को स्थिर करने में मदद मिलेगी।

शाह ने कहा कि देश, वर्ष 2047 में आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है, और भारत सरकार इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जम्मू और कश्मीर को पूरी सहायता देती रहेगी।

जगदलपुर पहुंचीं राष्ट्रपति

बस्तर पंडुम फेस्टिवल में की शिरकत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार से 3 दिन तक बस्तर पंडुम फेस्टिवल की शुरुआत हो रही है, जिसके लिए राष्ट्रपति पहली बार जगदलपुर के दौरे पर पहुंचीं। वे जगदलपुर लालबाग मैदान पहुंची। कार्यक्रम में बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, लोककलाओं और परंपराओं को दिखाया जाएगा। सीएम विष्णुदेव साय और राज्यपाल रमेन डेका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। बस्तर पंडुम में आदिवासी परंपरा के लोकगीत, पारंपरिक नृत्य, वेशभूषा, वाद्ययंत्रों पर रीति-रिवाजों के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां होगी, जिसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ के जिलों से लोग पहुंचेंगे।

गृहमंत्री शाह 3 दिनी दौरे पर पहुंचे रायपुर

नक्सलवाद खत्म करने करेंगे हाईलेबल मीटिंग, 'बस्तर पंडुम' में शामिल होंगे

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को रायपुर पहुंचे। रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। इसके बाद बस्तर के लिए निकलेंगे, जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। 31 मार्च 2026 नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। शाह की यह बैठक राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद निर्णायक मानी जा रही है।

नक्सल डेडलाइन

छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में 2 महीने बाकी हैं।

खबर संक्षेप

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2027 तक होगा पूरा

नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2027 तक पूरा होगा। इस मार्ग से मुंबई का सफर केवल 12 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। अभी इस यात्रा में करीब 33 घंटे का समय लगता है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मार्ग की मदद से आर्थिक एकीकरण में जबरदस्त सुधार होगा।

मुंबई में रितु तावड़े होंगी भाजपा की महापौर

मुंबई। भाजपा ने रितु तावड़े को मुंबई महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई मेयर का पद खुली श्रेणी में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, ऐसे में साफ है कि मुंबई को एक बार फिर महिला महापौर मिलेंगी। इसी कड़ी में मुंबई में पहली बार भाजपा का महापौर बनेगा। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने नाम का एलान किया है।

भीड़ का हिस्सा होने पर लोगों को नहीं उठा सकते

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि तुर्कमान गेट इलाके में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास पिछले महीने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हुई पथराव की घटना में केवल भीड़ का हिस्सा होने के आधार पर पुलिस राहगीरों को नहीं पकड़ सकती। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने अग्रिम जमानत याचिका पर यह टिप्पणी की।

मयूर विहार अब होगा श्री राम मंदिर मयूर विहार

पूर्वी दिल्ली। मयूर विहार इलाके के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर श्री राम मंदिर मयूर विहार कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन नेप्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। नाम बदलने से यात्रियों को स्टेशन पहचानने में आसानी होगी, बल्कि धार्मिक सांस्कृतिक पहचान बढ़ेगी।

शरद से सलाह लेते दिखे पार्थ पवार

मुंबई। एक बार फिर पूरा पवार कुनबा एक साथ नजर आया। महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र बारामती से यह तस्वीर सामने आई है जिसमें पार्थ पवार और शरद पवार एक साथ बैठकर गुफ्तगू करते नजर आ रहे हैं। सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है। बारामती में पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दशक्रिया के दौरान यह दिखा।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर बोले 'दिग्गज'

भारत को होंगे बड़े फायदे, निर्यात बढ़ेगा उद्योग मजबूत होंगे व रोजगार भी बढ़ेंगे

भरोसा दिलाया-समझौते में किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों की सुरक्षा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के लिए कई बड़े फायदे लेकर आएगा। इससे निर्यात बढ़ेगा, मजदूर-आधारित उद्योग मजबूत होंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजनाथ सिंह ने भरोसा दिलाया कि इस समझौते में किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी तरह सुरक्षा की गई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच यह समझौता देश की आर्थिक यात्रा में एक अहम कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ढांचा बेहतर निवेश को आकर्षित करेगा और भारत को लंबे समय तक आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगा। राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की सराहना की।

राजनाथ ने समझौते की अंतरिम रूपरेखा की सराहना की

देश की आर्थिक यात्रा में एक अहम कदम

हर्षवर्धन ने बताया अहम और फायदेमंद

पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने समझौते को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह डील यूरोपीय संघ के साथ हुए बड़े समझौते के तुरंत बाद आई है, जिससे भारतीय निर्यातकों, छोटे उद्योगों, किसानों और मजदूरों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे 30 ट्रिलियन डॉलर के बड़े बाजार तक भारत को बेहतर पहुंच मिलेगी, जिससे निर्यात तेजी से बढ़ेगा। यूरोपीय संघ के साथ मिलाकर भारत को लगभग 60 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी।

एफआईसीसीआई अध्यक्ष बोले आर्थिक रिश्ते और बढ़ेंगे

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने व्यापार समझौते को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों के लिए बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से टैरिफ कम होंगे, नियमों की जटिलताएं घटेंगी और कई सेक्टरों में नए मौके खुलेंगे। जब भारत खुद को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में मजबूत कर रहा है, तब यह समझौता और अहम हो जाता है।

कांग्रेस बोली- हार गए हाउडी मोदी भारत को होगा नुकसान

कांग्रेस ने इसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी हार बताया। भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के फायदे में है और इससे भारत को नुकसान हो सकता है। जयराम ने तंज कसते हुए कहा कि नमस्ते ट्रंप जीते, हाउडी मोदी हारे। सरकार ने जो संयुक्त बयान जारी किया है, उसमें पूरी जानकारी नहीं दी गई है। पहली बात यह है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अगर खरीदा तो अमेरिका 25 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। भारत अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा या खत्म करेगा।

स्पाइसजेट चेयरमैन ने बताया ऐतिहासिक

स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने समझौते को देश के लिए ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को मजबूती देगा और भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत करेगा। सिंह ने इस उपलब्धि के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक चुनौतियों के बीच देश के 140 करोड़ लोगों के हितों को प्राथमिकता देते हुए यह समझौता कराया है।

फार्मा सेक्टर ने समझौते का किया स्वागत

इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का स्वागत किया है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि भारत-अमेरिका दवा साझेदारी मजबूत होना जरूरी है, क्योंकि दवा सुरक्षा देश की सुरक्षा से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि इस समझौते में जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से छूट दी गई है। अमेरिका में फार्मास्युटिकल उत्पादों पर जांच जारी रहेगी, जो अन्य मुक्त व्यापार समझौतों जैसी ही प्रक्रिया है।

स्पीकर ने मर्यादा कम होने पर चिंता व्यक्त की

संवैधानिक जागरूकता और प्रक्रिया के ज्ञान से विश्वसनीयता बढ़ती है : बिरला

» बिहार विस के स्थापना दिवस पर विधानमंडल को संबोधित किया

» विधानमंडल में नेवा डिजिटल हाउस का उद्घाटन किया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को विधानमंडलों में गरिमा और मर्यादा कम होने पर चिंता व्यक्त की। विधायी संस्थानों की शुचिता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए बिरला ने कहा कि सदन की गरिमा और मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की मूलभूत जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधायिका लोकतंत्र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्था है और इसकी गरिमा का सम्मान और रक्षा की जानी चाहिए। बिरला ने ये विचार आज पटना में बिहार विधान सभा के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'सशक्त विधायक, सशक्त लोकतंत्र' कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

बिरला ने विधायी कार्यवाहियों में व्यवधान और अमर्यादित आचरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक निकायों की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने सदस्यों से संवाद, तर्कसंगत वाद-विवाद और रचनात्मक चर्चा पर बल देने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि आलोचना नीतियों और तथ्यों पर आधारित तथा जनकल्याण की भावना से प्रेरित होनी चाहिए। लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संसदीय अनुशासन और रचनात्मक आलोचना पर आधारित सार्थक विधायी निगरानी से लोकतंत्र सुदृढ़ होता है ।

यह टिप्पणी करते हुए कि सशक्त विधायक ही सशक्त लोकतंत्र का आधार होते हैं, बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता, दक्षता और सत्यनिष्ठा से जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रभावशीलता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किस प्रकार करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधायक को शक्ति जनता के विश्वास और भरोसे से प्राप्त होती है। सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर, नागरिकों की चिंताओं को अभिव्यक्त कर तथा विधायी प्रक्रियाओं के माध्यम से उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर विधायक लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। बिरला ने यह भी कहा कि विधायकों का सशक्तीकरण लोगों की आवश्यकताओं को समझने, विधायी प्रक्रियाओं में सार्थक सहभागिता करने तथा नीति निर्माण में रचनात्मक योगदान देने की उनकी क्षमता में निहित है। यह सशक्तीकरण नैतिक आचरण, उत्तरदायित्व और जवाबदेही पर आधारित होता है। इन्हीं मूल्यों से विधायक व्यापक जनहित में निरंतर कार्य करने में सक्षम बनते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब विधायक सशक्त, सुविज्ञ और उत्तरदायी होते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थानों की विश्वसनीयता और जनता का विश्वास मजबूत होता है।

इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, किरेन रिजिजू, राज्य सभा के उपसभापति, हरिवंश, बिहार विधान परिषद के सभापति, अवधेश नारायण सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री, विजय कुमार सिन्हा,तथा बिहार सरकार के संसदीय कार्य मंत्री, विजय कुमार चौधरी ने भी सभा को संबोधित किया। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. प्रेम कुमार ने स्वागत भाषण दिया और उपाध्यक्ष,नरेंद्र नारायण यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सूरजकुंड मेले में हादसा

झूला टूटने से 13 लोग घायल पलवल के इंस्पेक्टर की मौत

एजेंसी ⏭ सूरजकुंड

यहां मेले में एक झूला गिर गया। इस घटना में एक की मौत और कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके से मीडिया को दूर कर दिया। घायलों के इलाज के लिए तुरंत व्यवस्था की गई। इस हादसे में एक इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई है, जो पलवल में तैनात थे। वे झूले वाले एरिया में इंचार्ज थे। बचाव कार्य के दौरान ऐसे दूसरी बार झूला गिरा। इससे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं। झूले में उस समय लगभग 15 लोग सवार थे। बचाव कार्य में एक स्टॉल संचालक राघव पर भी झूले की ग्रिल गिर गई, उनके कंधे में चोट आई। प्रशासन ने सभी घायलों को चिकित्सा मुहैया कराई। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना।

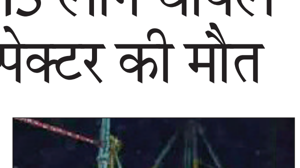

शुक्रवार देर रात की गई गिफ्तारी

नहीं मिली पप्पू यादव को जमानत, 2 दिन की न्यायिक हिरासत पर भेजा

राहुल और प्रियंका उनके समर्थन में उतरे

एजेंसी ⏭ पटना

पूर्णिया बिहार से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को आधी रात में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने उन्हें 2 दिन की न्यायिक हिरासत पर भेजा है। उनकी जमानत पर अब सोमवार को सुनवाई होगी। यादव को पटना पुलिस ने 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार किया था। यादव फिलहाल पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती रहेंगे।

सरकार का रवैया खौफनाक दिख रहा

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-एनडी मॉडल सामने आ गया – केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो। सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक- जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे, बोले संघ प्रमुख डॉ. भागवत

न पावर चाहिए, न पॉपुलैरिटी.... दुनिया देख रही काम

वर्ली स्थित नेहरू सेंटर में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया

एजेंसी ⏭ वर्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। इसके उपलक्ष्य में शनिवार को मुंबई के वर्ली स्थित नेहरू सेंटर में एक भव्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस आयोजन का नाम 'मुंबई व्याख्यानमाला' है। इसमें देश के नामचीन लोगों के शामिल होने की सभावना है। शाम 4 बजे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंच से संबोधन दिया। इस अवसर पर वे 'संघ यात्रा के 100 वर्ष- नए क्षितिज' विषय पर अपने विचार रखे। डॉ.भागवत ने कहा कि संघ का काम एक अनोखा काम हैं. पूरी दुनिया में ऐसा काम नहीं हैं। संघ को देखने के लिए देश विदेश से लोग आते हैं। संघ को पब्लिसिटी, पावर या पॉपुलैरिटी नहीं चाहिए।

संघ हमेशा देश की गतिविधियों के केंद्र में रहा

डॉ. भागवत ने कहा कि देश के गतिविधियों के केंद्र में संघ का नाम आता हैं, इसलिए वे देखने आते हैं। हमारी जवान पीढ़ी में ऐसा कुछ करने की इच्छा हैं। ये पद्यति आप हमको सीखा सकते है क्या? संघ को ऊपर से और दूर से देखेंगे तो भी गलतफहमी होती हैं। संघ के स्वयंसेवक रूट मार्च करते हैं, लेकिन संघ पैरामिलिटरी आर्गेनाइजेशन नहीं हैं।

संघ राजनीतिक पार्टी नहीं

संघ के स्वयंसेवक राजनीति में भी हैं, लेकिन संघ राजनीतिक पार्टी नहीं हैं। इसलिए संघ को जानना है, तो संघ को अंदर से आ कर देखना होगा। संघ का काम पूरे देश के लिए हैं। संघ किसी दूसरे संगठन के कंपटीशन में निकला नहीं हैं। संघ किसी के विरोध में नहीं है।

संघ पैरामिलिट्री संगठन या पॉलिटिकल पार्टी नहीं

डॉ. भागवत ने कहा कि आरएसएस तो कोई पैरामिलिट्री संगठन है और न ही कोई पॉलिटिकल पार्टी। संघ से जुड़े लोग भले ही पॉलिटिक्स में एक्टिव हों, लेकिन संगठन खुद पॉलिटिकल नहीं है। यह कोई रिएक्शनरी संगठन भी नहीं है। संघ किसी के खिलाफ नहीं है। संघ हर धर्म का सम्मान करता रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के कार्यक्रम को आप यहां देख सकते हैं। इस कार्यक्रम में साधु-संत के साथ-साथ कई गणमान्य जुटे रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्र./1295/न.पा./लो.नि.वि./2025-26 मुंगेली, दिनांक 06/02/2026

तीसरा ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद मुंगेली द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है

सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनु व्यय राशि (लाख में)	निविदा ऑनलाईन सम्मिट करने की अंतिम तिथि
185126	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Besed sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Year of Operation and Maintenace of The Entire System in Nagar Palika Parishad, Mungeli under SBM 2.0	624.09	22.02.2026

टीप - 1. निविदा प्रपत्र चिप्स के वेबसाईट http:/eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मुंगेली

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सर्वजीत सिंह पुत्र श्री मिट्ठू सिंह निवासी मकान नंबर बी—664, बी—ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 378/2015 U/S 392/411/34 अन्तर्गत थाना पश्चिम विहार पूर्व, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सर्वजीत सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सर्वजीत सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 378/2015 U/S 392/411/34 अन्तर्गत थाना पश्चिम विहार पूर्व, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सर्वजीत सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.03.2026.** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री मोक्षा बैंस
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–II(पश्चिम)
कमरा नंबर 31
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/1721/OD/2026(Court Matter)

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित

हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं

कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।

एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेशः एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरुआतः 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभः बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज ग्रोथ।
- विविधीकरण और कर लाभः म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और ईएलएसएस के माध्यम से टैक्स में बचत।

कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। बैंक एफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकता है। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरुआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10–12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लगाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेशः 5,500 रुपये
- सालाना निवेश : 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में) : लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न : लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस : लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाता है। आपको बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6–15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर

कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अमीर बनने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरुआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरुआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपको लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे : पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दरें देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।

2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी

यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदेः जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।

3. रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)

अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदेः छोटी रकम से शुरुआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी पाने वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।

4. डेट म्यूचुअल फंड

डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरीः शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।

5. लिक्विड फंड

लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदेः 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसों को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।

6. कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट

कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।

ध्यान रखेंः कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा भी हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी मौजूदा नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी स्किल्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ाना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कंसल्टिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरुआत भले ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शोर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपको भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अमीर नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है. जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

नई स्किल्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जरूरी नहीं कि कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई स्किल्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर फ्रीलांस मौके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।

लाइफस्टाइल और कमाई में संतुलन जरूरी

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी असुरक्षित रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी ले पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरुआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरुआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपको कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार–चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंस्ट्रूमेंट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे : हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटीरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्रेंस एग्जाम फीस, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रैवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाते समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टैक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।

टी-20 विश्व कप मैच सुबह 11 बजे से

उलटफेर में माहिर अफगानिस्तान का आज न्यूजीलैंड से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

उलटफेर करने में माहिर अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के पहले मैच में रविवार को खेल के हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टिम सीफर्ट और फिन एलेन के आने से शीर्षक्रम मजबूत लग रहा है लेकिन रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेवोन कोंवे को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड को अपने गेंदबाजों के भी फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे। दूसरी ओर अफगानिस्तान काफी दमदार टी20 टीम है, जिसने पिछले सप्ताह वेस्टइंडीज का श्रृंखला में सूपड़ा साफ किया। उसके पास काफी मैच विनर खिलाड़ी है लेकिन सबसे बड़ा स्टार राशिद खान है। दुनिया भर में टी20 लीग खेलने वाले राशिद की गेंदें अब उतनी रहस्यमयी भले ही नहीं रह गई हों लेकिन वह बेहद खतरनाक गेंदबाज हैं। उनका साथ देने के लिए मुजीबुर रहमान और नूर अहमद होंगे। चेपॉक की पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों की भूमिका अहम होगी और चूंकि मैच 11 बजे शुरू हो रहा है तो ओस की भी उतनी भूमिका नहीं होगी।

विश्व स्तर पर छाप छोड़ने का नेपाल को मौका इंग्लैंड से भिड़ंत, मैच दोपहर तीन बजे से

एजेंसी ▶▶| मुंबई

दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को उम्मीद है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को उनकी टीम जब नेपाल से खेलेगी तो फोकस वेलिंगटन क्लब में हुई घटना की बजाय मैदान में प्रदर्शन पर रहेगा। इंग्लैंड ने विश्व कप की पुख्ता तैयारी की है और प्रबल दावेदारों में से एक है। इंग्लैंड को पता है कि उसे पहले ही मैच से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पिछले 17 वनडे में से 11 जीते हैं और पिछले साल दो ही गंवाए हैं। ओस के हालात में गेंदबाजी हालांकि चुनौती हो सकती है और ऐसे में अनुभवी आदिल रशीद काफी उपयोगी साबित होंगे। नेपाल के लिए यह विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका है। पिछली बार वह दक्षिण अफ्रीका को हराने के करीब पहुंच गया था और दक्षिण अफ्रीका टीम सिर्फ एक रन से जीती थी। इसके अलावा बांग्लादेश को 106 रन पर आउट कर दिया था। नेपाल ने हाल ही में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को 2-1 से हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी श्रीलंका

खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंका का आयरलैंड से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अपने पहले मैच में रविवार को आयरलैंड से खेलेगी तो पिछली निराशाओं को भुलाकर अपने घरेलू दर्शकों को मुस्कुराने का मौका देने का इरादा होगा। भारत के साथ टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया। अब श्रीलंका उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। दूसरी ओर आयरलैंड के प्रदर्शन का दारोमदार अनुभवी पॉल स्टर्लिंग , हैरी टेक्टर और जोश लिटिल पर रहेगा। आयरलैंड आठवीं बार टी20 विश्व कप खेल रहा है और 2009 के बाद से सारे टूर्नामेंट खेला है। उसने हाल ही में इटली और यूएई को हराया है और जीत की लय कायम रखना चाहेगा। अगर वह श्रीलंका को हरा देता है तो इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने का दावेदार हो सकता है।

खबर संक्षेप

चिदंबरम स्टेडियम की नई बेहतरीन आउटफील्ड

चेन्नई। मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में आठ महीने तक चले मरम्मत के काम के बाद बेहतरीन आउटफील्ड और पानी के निकास के लिए अच्छी 'ड्रेनेज' प्रणाली के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले समय पर तैयार हो चुका है। इतने महीनों तक यहां जेसीबी, लिफ्टर और लोडर की तेज गड़गड़ाहट गूंजती रही। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने विश्व कप नजदीक आने पर इतना समय लेने वाला काम करने का फैसला क्यों किया? यह पूछने पर इसके सचिव यू भगवानदास राव ने कहा, ' हमने पिछली बार यह आउटफील्ड शायद 2011 में बनाई थी इसलिए काफी समय हो गया था। इस पूरे काम में हमें जून (2025) से शुरू करके लगभग आठ महीने लगे। '

16 फरवरी से दिल्ली ओपन चैलेंजर मीट

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल डीएलटीए पर 16 से 22 फरवरी तक होने वाले दिल्ली ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि ब्रिटेन के जे क्लार्क भी इसमें भाग ले रहे हैं। एकल मुख्य ड्रॉ में भारत से सिर्फ नागल को सीधे प्रवेश मिला है। चैलेंजर सर्किट पर लगातार खेलने वाले नागल घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे। प्रतिभाशाली मानस धामने और करण सिंह 15 फरवरी को एकल क्वालीफायर खेलेंगे। जापान के रेइ साकामातो , रियो नोगुची और कजाखस्तान के बेइबित झुकायेव भी इसमें भाग ले रहे हैं। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा,' दिल्ली ओपन इस क्षेत्र में सबसे प्रतिस्पर्धी और पेशेवर ढंग से होने वाला चैलेंजर टूर्नामेंट है। इससे भारत को कई अच्छे खिलाड़ी मिले हैं।

विश्व कप में अधिक टीम का खेलना अच्छा : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप के मौजूदा चरण से 20 टीम के विस्तार का स्वागत करते हुए कहा कि इससे और अधिक देशों के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। आईसीसी टी20 विश्व कप का 2026 चरण टीम की संख्या के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह व अक्षर पटेल ने बेहतरीन गेंदबाजी से अमेरिका पर दबाव बनाए रखा।

टी-20 विश्व कप: यादव ने शानदार पारी खेली, टीम को थामा

भारत ने जीत से किया आगाज अमेरिका को 29 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

गत चैंपियन भारत ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की दबाव में खेली गई 84 रन की नाबाद पारी के बाद मोहम्मद सिराज (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में अनुशासित गेंदबाजी से शनिवार को यहां आईसीसी टी-20 विश्व कप के शुरूआती मैच में अमेरिका को 29 रन से हराकर अपना अभियान शुरू किया। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी। खिताब के प्रबल दावेदार भारत के लिए सूर्यकुमार अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में दबाव भरी परिस्थिति में संभलकर खेलते हुए अंत तक डटे रहे।

उन्होंने 49 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। इससे शीर्ष और मध्यक्रम में सामूहिक बल्लेबाजी नाकामी के बावजूद भारत नौ विकेट पर 161 रन बनाने में कामयाब रहा क्योंकि विकेटों के गिरने से एक समय ऐसा लग रहा था कि पारी बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। उसके लिए संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने 37-37 रन तथा मिलिंद कुमार ने 34 रन बनाए। भारत के नई गेंद के गेंदबाज अर्शदीप सिंह (18 रन देकर दो विकेट) और सिराज ने अच्छी शुरूआत की जिससे अमेरिका की टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 49 रन ही बना सकी।

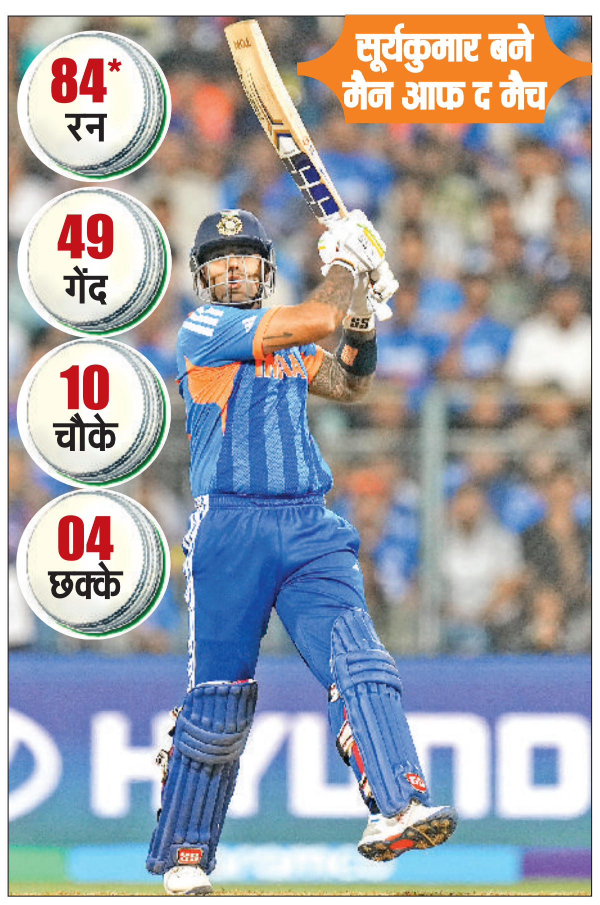

भारत-161/9 (20)

खिलाड़ी	रन
ईशान का मिलिंद बो वान	20
अभिषेक का कृष्णमूर्ति बो अली	00
तिलक का पटेल बो वान	25
सूर्यकुमार यादव नाबाद	84
दुबे का नेत्रवलकर बो वान	00
रिंकू का मिलिंद बो मोहसिन	06
पंड्या का साईतेजा बो हरमीत	05
अक्षर का मोहसिन बो हरमीत	14
अर्शदीप का मिलिंद बो वान	04
वरुण चक्रवर्ती रन आउट	00

अतिरिक्त : 03
कुल : 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन
विकेट पतन : 1-8, 2-45, 3-46, 4-46, 5-72, 6-77, 7-118, 8-140, 9-161
गेंदबाजी: सौरभ 4-0-65-0, अली खान 2-0-13-1, वान शाल्कविक 4-0-25-4, मोहम्मद मोहसिन 4-0-16-1, शुभम 2-0-16-0, हरमीत 4-0-26-2

अमेरिका-132/8 (20)

खिलाड़ी	रन
एंड्रीस का तिलक बो सिराज	06
साईतेजा का वरुण बो सिराज	02
मोनांक का दुबे बो अर्शदीप	00
मिलिंद स्ट ईशान बो वरुण	34
संजय का रिंकू बो अक्षर	37
शुभम रंजने पगबाधा बो सिराज	37
हरमीत का सिराज बो अक्षर	00
मोहसिन का तिलक बो अर्शदीप	08
शैडली वान शाल्कविक नाबाद	02

अतिरिक्त: 06
कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन
विकेट पतन : 1-8, 2-11, 3-13, 4-71, 5-98, 6-98, 7-110, 8-132
गेंदबाजी: अर्शदीप सिंह 4-0-18-2, मोहम्मद सिराज 4-0-29-3, वरुण चक्रवर्ती 4-0-24-1, अक्षर पटेल 4-0-24-2, हार्दिक पंड्या 4-0-34-0

भारत-पाक मैच की उम्मीद जगी

■ पीसीबी ने भरोसा दिलाया, सरकार से बात करेंगे

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर उम्मीद जगी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की है। पीसीबी 15 फरवरी को होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के बहिष्कार के फैसले पर सरकार से बातचीत करेगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी से कहा ने कहा, 'हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा। दरअसल पाकिस्तान सरकार ने एक फरवरी को पीसीबी को टूर्नामेंट में टीम भेजने की मंजूरी तो दे दी थी, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था।

नीदरलैंड्स को हराने में पाकिस्तान के छूटे पसीने

कोलंबो। पाकिस्तान ने नीदरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मुकाबले में 3 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपने अभियान की शुरुआत की। यह मैच शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवरों में महज 147 रन पर सिमट गई। इस टीम को सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। माइकल लेविट ने मैक्स ओ'डॉउड के साथ 3.1 ओवरों में 28 रन की साझेदारी की।

फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में दिलाई जीत

इसके जवाब में पाकिस्तान ने 19.3 ओवरों में जीत दर्ज की। फहीम अशरफ (नाबाद 29) ने शाहीन अफरीदी (नाबाद 5) के साथ 20 गेंदों में 34 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को अंतिम ओवर में जीत दिलाई। पाकिस्तान को अंतिम 2 ओवरों में 29 रनों की दरकार थी। 18.2 ओवर में फहीम अशरफ को जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई। नीदरलैंड की तरफ से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकेरेन ने 2-2 विकेट हासिल किए। एक-एक विकेट लोगान वैन बीक, काइल क्लेन और रोएलोफ वैन डेर मेर्वे के हाथ लगा।

वेस्टइंडीज ने की जीत के साथ शुरुआत स्कॉटलैंड को हराया, शेफर्ड की हैट्रिक

कोलकाता। दो बार की विजेता वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ की है। ग्रुप सी के अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया। वेस्टइंडीज के लिए शिमरोन हेटमायर और रोमारियो शेफर्ड हीरो बनकर उभरे। वेस्टइंडीज के दिए 183 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 7 के स्कोर पर माइकल जोंस के रूप में लगा। जोंस 1 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे विकेट के लिए जॉर्ज मुंसे और ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 30 रन की साझेदारी हुई। मुलेन 12 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। 37 के स्कोर पर मुंसे भी 19 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हो गए। इस समय लग रहा था कि स्कॉटलैंड की पारी जल्द समाप्त हो जाएगी।

कप्तान सैंटनर को तेज गेंदबाजों पर भरोसा

चेन्नई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी इकाई की विविधता पर भरोसा है कि वे टी20 विश्व कप के दौरान 'पावरप्ले' और 'डेथ ओवरों' में विपक्षी बल्लेबाजों को शांत रखेंगे, जिसमें गेंदबाज आमतौर पर रन लुटाते हैं। तेज गेंदबाजों से आक्रमण में मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, काइल जैमीसन और जैकब डफी के अलावा ऑलराउंडर जेम्स नीशाम भी शामिल हैं। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप भारत आते हैं तो आपको पिच से ज्यादा 'लेटरल मूवमेंट' नहीं दिखता। इसलिए मुझे लगता है कि स्विंग और उछाल अहम है। इसलिए अगर डफी गेंद को स्विंग करा सकते हैं तो वह बल्लेबाजों के लिए एक चुनौती हैं। हमारे सभी तेज गेंदबाज हमें अलग-अलग विकल्प देते हैं।' उन्होंने कहा, 'लॉकी के पास ज्यादा रफ्तार और स्विंग है। जैमीसन दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं। मैट हैनरी गेंद को अंदर ला सकते हैं। डफी स्विंग करा सकते हैं। इसलिए हमें चुनना है कि कौन हमारे लिए सबसे अच्छे होंगे। ' सैंटनर ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल में हुई पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला हारने के बावजूद उनकी टीम को कुछ अच्छी बातें पता चली हैं।

राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप

राजा ने जीता स्वर्ण, जेरेमी को कांस्य

एजेंसी ▶▶| मोदीनगर

तमिलनाडु के एम राजा ने राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन जेरेमी लालरिननुंगा सहित मजबूत प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 26 वर्षीय राजा ने कुल 302 किग्रा (130 किग्रा स्नैच में, 172 किग्रा क्लीन एंड जर्क में) वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के चारु पेसी ने 296 किग्रा (129 किग्रा और 167 किग्रा) के कुल वजन के साथ रजत पदक हासिल किया।

जेरेमी का प्रदर्शन फीका

मिजोरम के जेरेमी का प्रदर्शन फीका रहा। 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन कुल तीन प्रयासों में असफल रहे, जिसमें दो स्नैच में रहे। उन्हें 295 किग्रा (133 किग्रा और 167 किग्रा) के कुल वजन के साथ कांस्य पदक पर संतोष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता शुभम टोडकर का अभियान निराशाजनक रहा। वह 263 किग्रा (118 किग्रा और 145 किग्रा) के कुल वजन के साथ सातवें स्थान पर रहे। सेना के भारोत्तोलक अरुमुगापांडियन महाराजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युवा और जूनियर दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उन्होंने 282 किग्रा के कुल वजन से दोनों वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया।

लवलीना ने फाइनल में बनाई जगह

ला नूसिया। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और विश्व कप स्वर्ण विजेता सचिन सिवाच ने शानदार जीत दर्ज करते हुए 'बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026' के फाइनल में जगह बना ली। इन दोनों के अलावा 10 अन्य भारतीय मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंचे हैं। स्वर्ण पदक की दावेदारी में भारत की आठ महिलाएं और चार पुरुष मुक्केबाज शामिल है। लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में वेल्स की रोजी एक्लेस को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में भारत का स्वर्ण पदक पक्का हो गया है। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने सेमीफाइनल में फ्रांस की आया हम्दी को 5-0 से हराया और अब फाइनल में उनका मुकाबला पूनम से होगा। पूनम ने इंग्लैंड की आइवी-जेन स्मिथ को 4-1 से मात दी।

PUBLIC NOTICE

We, MOHAMMED JUNAID HASAN (Aadhar : 4653-3926-5131) and MOHAMMED SUHAIB HASAN (Aadhar : 2341-7198-8551) S/o Mr. TAHIR HASAN R/o 1428, CHATTA NAWAB SAHIB, FARSH KHANA, DELHI-110006. do hereby solemnly affirm and inform That We intend to jointly purchase Built up One Shop on Ground Floor, having its area __sq. yds. and entire First Floor, Entire Second Floor and Third Floor, land area measuring 66.5 sq. yds. of each floor, with the rights to upper and further construction upto last storey, fitted with electricity and water connections with their meters, Built on Property No.L-25, out of Rect. No.62, Killa No.4 and 5, Laxmi Nagar (known as Part-C), Two Side Open, Front-Side, Left-Side Portion, in the area of Village Khureji Khas, illaqa Shahdara, Delhi-110092 from Mr. Shankar Lal Pipil S/o Late Jawahar Lal Pipil. In case any person have any objection or claim of any type of in respect of the said property then contact me and file his/her objection within 15 days.

MOHAMMED JUNAID HASAN
MOHAMMED SUHAIB HASAN

NOTICE

I, Anjali Kashyap alias Anju Sharma W/o Mr. Anoop Kashyap D/o Satpal Residing at C-195, DDA Flat Kalkaji New Delhi-110019 have changed my name shall hereafter be known as Anjali Kashyap. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

डेविस कप क्वालीफायर : कैश और ग्लासपूल का शानदार प्रदर्शन

ब्रिटेन ने नॉर्वे को हराया, दूसरे राउंड में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

ग्रेट ब्रिटेन ने नॉर्वे को 3-0 से हराकर डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। यह जीत जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल के डबल्स मैच में 6-2, 2-6, 7-6(5) की जीत की बदौलत मिली। ग्रेट ब्रिटेन अब डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में इक्वाडोर या ऑस्ट्रेलिया में से किसी एक का सामना करेगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम नवंबर में फाइनल 8 में पहुंचेगी। डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड के मुकाबले सितंबर में आयोजित होंगे। लियोन स्मिथ की टीम ने न्यूनतम मैचों में जीत दर्ज करते हुए कमजोर नजर आ रही नॉर्वेजियन टीम को मात दी। बुधवार को विश्व नंबर 12 कैस्पर रूड के हटने के बाद नॉर्वे साफतौर पर अंडरडॉग था। खेल के शीर्ष रैंकिंग डबल्स जोड़ी कैश और ग्लासपूल को भी नॉर्वे की अस्थायी जोड़ी निकोलाई बुडकोव क्येर और विक्टर दुरासोविच ने निर्णायक टाईब्रेक तक कड़ी चुनौती दी।

ड्रेपर ने की कोर्ट में लंबे समय बाद वापसी

इस मुकाबले के पहले मैच पर सभी की निगाहें थीं, क्योंकि ब्रिटिश नंबर 1 जैक ड्रेपर ने मैच कोर्ट में लंबे समय बाद वापसी की, यह अगस्त 2025 के बाद उनका पहला मैच था। ड्रेपर ने उस खिलाड़ी की झलक दिखाई, जो पिछले साल करियर की सबसे ऊंची वर्ल्ड नंबर 4 रैंकिंग पर पहुंचा था, उन्होंने विक्टर डुरासोविक को सिर्फ 61 मिनट में 6-2, 6-2 से हरा दिया। इसके बाद कैम नॉरी ने दूसरे सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 19 वर्षीय निकोलाई बुडकोव कजेर को 6-4, 6-4 से हराया। दो मुकाबलों की बढ़त के साथ दूसरे दिन में आने के बाद, ब्रिटिश टीम को दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने के लिए सिर्फ एक और जीत की जरूरत थी। पिछले साल की एटीपी टूर की नंबर 1 डबल्स टीम, जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल, बुडकोव कजेर और डुरासोविक का सामना करने के लिए मैदान में उतरे।

ब्रिटिश खिलाड़ियों ने दिखाई काबिलियत

ब्रिटिश खिलाड़ियों ने निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक के दबाव वाले पलों में अपनी काबिलियत दिखाई और 6-2, 2-6, 7-6(5) की जीत के साथ ग्रेट ब्रिटेन की जीत पूरी की। जैकब फर्नले फाइनल मैच में बुडकोव कजेर के खिलाफ खेलने आए और एटीपी नेक्स्ट जेन सेमी-फाइनलिस्ट के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। फर्नले ने ब्रिटिश टीम के लिए जीत पर मुहर लगाते हुए 3-6, 6-3, 10-7 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मैच एक घंटे 16 मिनट तक चला।

वतनुकी ने दिलाई जापान को बढ़त

डेविस कप के दूसरे मुकाबलों में, जापान और ऑस्ट्रिया के बीच दो दिवसीय मुकाबले की शुरुआत हुई। योसुके वतनुकी ने सेबेस्टियन ओफनर को 6-3, 6-4 से हराकर जापान को बढ़त दिलाई, लेकिन इसके बाद यूरीज रोडियोनोव ने शिंटारो मोचिज़ुकी को 6-4, 7-5 से मात देकर ऑस्ट्रिया के लिए स्कोर बराबर कर दिया। उधर, जर्मनी ने डसेलडोर्फ में यानिक हानफमान और यान-लेनार्ड स्ट्रूफ की सीधे सेटों में सिंगल्स जीत के दम पर पेरू के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **भरत उर्फ राहुल, पिता:** ओमदत्त शर्मा, **पता:** मकान नंबर एफ–6 राजधानी पार्क, नांगलोई दिल्ली, ने **FIR No. 677/23 U/s 379/356/411/34 IPC थाना: राज पार्क, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भरत उर्फ राहुल,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भरत उर्फ राहुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 677/23 U/s 379/356/411/34 IPC थाना: राज पार्क, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **भरत उर्फ राहुल,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री एब्बानी अग्रवाल
जेएमएफसी–03 कमरा नंबर 107, पहली मंजिल
रोहिणी कोर्ट दिल्ली

DP/1216/OD/2026
(Court Matter)

मलेशिया में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा

विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है और यह बात ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) समेत विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए व्यापार समझौतों में परिलक्षित होती है। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक जीवंत सेतु का काम करते हैं और उन्होंने द्वीपसमूह राष्ट्र में एक नये वाणिज्य दूतावास और छात्रों को भारत में अध्ययन करने में सक्षम बनाने के लिए तिरुवल्लुवर छात्रवृत्ति की घोषणा की।

शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर पहुंचे मोदी ने विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को "विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार" के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, ईयू और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है। उन्होंने कहा कि मलेशिया में भारतीय मूल के लगभग 30 लाख लोग रहते हैं, जो विश्व में भारतीय मूल के लोगों का दूसरा सबसे बड़ा समुदाय है, जिनमें से ज्यादातर लोग तमिल मूल के हैं। भारतीय समुदाय के सदस्यों का विभिन्न भाषाओं में अभिवादन करते हुए, प्रधानमंत्री ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की गायन प्रतिभा, विशेष रूप से दिग्गज अभिनेता एम जी रामचंद्रन (एमजीआर) के तमिल गीतों के प्रति उनके प्रेम को उजागर किया। मोदी ने कहा, "तमिल भाषा भारत

की ओर से विश्व को दिया गया उपहार है। तमिल साहित्य शाश्वत है और तमिल संस्कृति वैश्विक है। तमिल लोगों ने अपनी प्रतिभा से मानवता की सेवा की है।₹ उन्होंने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण और एल मुरुगन तमिलनाडु से हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "तमिल प्रवासी कई सदियों से यहां रह रहे हैं। इस इतिहास से प्रेरित होकर, हमें मलय विश्वविद्यालय में 'तिरुवल्लुवर चेयर' की स्थापना करने पर गर्व है। अब हम अपनी साझा विरासत को और मजबूत करने के लिए अपना तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करेंगे। मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में आकर बहुत खुशी हो रही है, जो 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा है।

उन्होंने कहा, भारत हमेशा आपका खुले दिल से स्वागत करेगा। इसीलिए, कुछ महीने पहले ही हमने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिकों को छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड के लिए पात्र घोषित किया है। उन्होंने कहा, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं। मोदी ने कहा, मैं कहता हूं कि हमारे संबंधों का मार्गदर्शक शब्द 'इम्पैक्ट' है। 'इम्पैक्ट' का अर्थ है सामूहिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए भारत-मलेशिया साझेदारी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और मलेशिया प्रगति और समृद्धि के साझेदार के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं और एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न अपनी सफलता मानते हुए मनाते हैं। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता पर प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की हार्दिक शुभकामनाओं से मैं बहुत अभिभूत हूं। मैं अपने प्रिय मित्र से पूरी तरह सहमत हूं, भारत की सफलता मलेशिया की सफलता है और एशिया की सफलता है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय सरकार द्वारा ओसीआई कार्ड की पात्रता को छठी पीढ़ी तक के भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिकों तक विस्तारित करने के निर्णय से प्रवासी मलेशियाई लोगों में अपार खुशी का माहौल है।

पीएम मोदी ने की तमिल भाषा और संस्कृति की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल भाषा और संस्कृति की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'तमिल के लोगों ने अपने टैलेंट से मानवता की सेवा की है। मैं गर्व के साथ कहता हूं कि भारत के उपराष्ट्रपति थिरु सीपी राधाकृष्णन, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जिन्होंने हमारे देश का बजट 9 बार प्रस्तुत किया है और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री मुर्गन लोगनाथन मुरुगन ये सभी तमिलनाडु से आते हैं। उन्होंने संबोधन के दौरान कहा, 'आपको पता है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाना गाते हैं, लेकिन कई भारतीयों को यह नहीं पता। मलेशियाई पीएम के भारत दौरे के दौरान भारतीय काफी हैरान थे। उनके गाने का एक वीडियो वायरल हो गया, जिसमें वह पुराना बॉलीवुड गाना गा रहे थे। वह के तमिल गाने भी बहुत पसंद करते हैं। उनके ऐसा कहते ही पीएम अनवर भी हंस पड़े। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है। इब्राहिम ने इस मौके पर कहा, भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं। उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया।

खबर संक्षेप

आत्मघाती हमले के मामले में 3 गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पुलिस ने शुक्रवार को इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद पर हुए

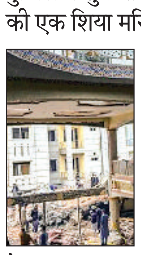

आत्मघाती हमले के सिलसिले में खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर में दो पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान की राजधानी में शुक्रवार की नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए। यह हमला हाल के वर्षों में शिया समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक है।

ईरान और यूएस ने ओमान में वार्ता की

मस्कट। ईरान और अमेरिका ने ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की। यह बातचीत तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा के तरीके को लेकर फिर शुरुआती बिंदु पर लौटती दिखी लेकिन पहली बार अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने शीर्ष सैन्य कमांडर को भी इसमें शामिल किया। मस्कट में वार्ता के दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख नौसेना एडमिरल ब्रैड कूपर की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और अन्य युद्धपोत अब ईरान के तट के पास अरब सागर में तैनात हैं।

बांग्लादेश:पूर्व विदेश मंत्री ने चुनाव को पाखंड बताया

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने दावा किया है कि उनके देश में होने वाले

आगामी संसदीय चुनाव एक पाखंड है, उन्होंने यूएस से चुनाव प्रक्रिया को खारिज कर मान्यता देने से बचने की अपील की। मोमेन के अनुसार चूंकि ज्यादातर पार्टियों को चुनाव लड़ने से बैन किया गया है और कई लोगों को भागीदारी से रोका गया है, इसलिए इसे तरजीह नहीं दी जानी चाहिए। पूर्व विदेश मंत्री ने एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि 12 फरवरी को होने वाला चुनाव पहले से तय है।

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ शनिवार से खत्म

पीयूष गोयल बोले- अमेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर जीरो ड्यूटी, किसानों-मछुआरों को बड़ा फायदा होगा

किसानों के हित सरकार की पहली प्राथमिकता है

भारतीय निर्यातकों के लिए लगभग 27.18 लाख करोड़ के बाजार खोलेगा अमेरिका

5 साल में अमेरिका से 45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए के उत्पाद खरीदेगा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्यक मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क की घोषणा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे। जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है।

उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपए) के बाजार को खोलेगा। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) का फ्रेमवर्क जारी किया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है।

क्या भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा?

अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह कह रहे कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। इस पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सीधा जवाब दिया है। गोयल ने साफ कहा कि भारत रूसी तेल खरीदेगा या नहीं, इस बारे में विदेश मंत्रालय विशेष रूप से जानकारी देगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा, जैसा कि व्हाइट हाउस के एक बयान में भारत द्वारा खरीद पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को खत्म करने की घोषणा करते हुए कहा गया था, तो पीयूष गोयल ने कहा कि इस बारे भी विदेश मंत्रालय जानकारी देगा।

समझौते में ये हैं सुरक्षित

गोयल ने कहा, यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां, मांस आदि जैसे संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित किया गया है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में प्याज, आलू, मटर, फलियां, मशरूम, तोरी, कुंदरू, भिंडी, कद्दू, लहसुन, खीरा, शिमला मिर्च, काबुली चना और शकरकंद को शामिल नहीं किया गया है। यानी ये उत्पाद बाहर से नहीं आएंगे। फलों की बात करें तो केला, आम, स्ट्रॉबेरी, संरक्षित चेरी, सूखा आलू बुखारा, सूखा सेब, इमली, सिंघाड़ा गिरी, सूखे फल, संतरा, मैंडरिन, चकोतरा, नींबू और अंगूर को भी डील में सुरक्षित रखा गया है।

ट्रेड डील में अनाजों को संरक्षण

इस ट्रेड डील के तहत भारत में पैदा होने वाले प्रमुख कृषि उत्पादों को संरक्षित किया गया है। इनमें गेहूं कोपरा, स्यामक, कोदो, बाजरा, कांगनी, ओट्स, मैदा, ज्वार, जौ, चावल, मक्का, अमरंथ, रागी, छिल्का रहित अनाज और आटे वाले अनाज शामिल हैं।

भारत को समझौते से मिलने वाले लाभ

- *अमेरिकी टैरिफ में कमी: भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के टैरिफ को 18 प्रतिशत तक घटाया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी*
- *चुनिंदा उत्पादों पर जीरो टैरिफ: जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी*
- *30 ट्रिलियन डॉलर के बाजार तक पहुंच: भारतीय एमएसएमई, किसान, मछुआरे, महिलाओं और युवा उद्यमियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश।*
- *निर्यात क्षेत्रों में बढ़ावा: टेक्सटाइल, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी में नए अवसर*
- *सेक्शन 232 छूट: विमान पार्ट्स पर अमेरिकी सेक्शन 232 के तहत छूट मिलेगी*
- *ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ रेट कोटा: कुछ ऑटो कंपोनेंट्स के लिए अमेरिका में विशेष पहुंच मिलेगी*
- *जेनेरिक दवाओं पर बेहतर शर्तें: भारतीय जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स के लिए टैरिफ और नियामक नियमों में सुधार*

दुग्ध उत्पादों को भी संरक्षण

भारतीय दुग्ध उत्पादों को भी डील से अलग रखा गया है। इसमें दूध, क्रीम, योगहर्ट, बटर मिल्क, मक्खन, घी, चीज, बटर ऑइल, पनीर और अन्य उत्पाद शामिल हैं। मसालों की बात करें तो काली मिर्च, लौंग, सूखी हरी मिर्च, दालचीनी, धनिया, जीरा, हींग, अदरक, हल्दी, अजवाइन, मेथी, चक्रमर्द, सरसों, राई, भूसी और अन्य पाउडर मसालों को संरक्षित रखा गया है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा

भारत-यूएस व्यापार समझौते का श्रेय पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप को जाता है

पीएम मोदी ने प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क सामने आ चुका है। इस पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने फ्रेमवर्क की जानकारी साझा करते हुए दोनों देशों के बीच हुए समझौते का क्रेडिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए अमेरिकी राजदूत ने लिखा, एक नया दिन! इसे हासिल करने में उनके नेतृत्व और दृष्टिकोण के लिए सारा श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमने अपने दोनों महान देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा पर सहमति जताई है। मैं हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा, यह रूपरेखा हमारी साझेदारी की बढ़ती गहराई, विश्वास और गतिशीलता को दिखाती है। यह भारत के मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप इनोवेटर्स, मछुआरों और अन्य लोगों के लिए नए अवसर खोलकर 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करती है। इससे महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। भारत और अमेरिका इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह रूपरेखा हमारे बीच निवेश और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप को मजबूत करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि व्यापार समझौते की रूपरेखा मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन को भी मजबूत करेगी व वैश्विक विकास में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत 'विकसित राष्ट्र' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आर्थिक सहयोग होंगे मजबूत

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह व्यापार समझौता भारत-अमेरिका के आर्थिक सहयोग को मजबूत करेगा। यह हमारे लोगों और व्यवसायों के लिए स्थायी विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, व्यापार समझौते की रूपरेखा के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आपसी टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा, जिससे दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी में टेक्सटाइल और कपड़ों, चमड़े और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर प्रोडक्ट्स, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, कारीगरी वाले प्रोडक्ट्स और चुनिंदा मशीनरी जैसे अहम सेक्टर में बड़ा मार्केट मौका मिलेगा।

19 फरवरी को बैठक की संभावना

वॉशिंगटन में होगी ट्रंप के बनाए 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

गाजा के पुनर्निर्माण हेतु फंड जुटाने की कोशिश के तहत वाशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस की बैठक

आयोजित की जाएगी। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने ये जानकारी दी है। एक अमेरिकी अधिकारी और बोर्ड का हिस्सा रहे चार देशों के राजनयिकों के हवाले से आउटलेट ने शुक्रवार को रिपोर्ट दी कि 19 फरवरी को बैठक की योजना है। इसका प्रमुख एजेंडा गाजा पुनर्निर्माण के लिए फंड जुटाना होगा। हालांकि इन्हीं लोगों ने ये भी कहा कि इस तारीख में बदलाव संभव है। वहीं इजरायली मीडिया ने भी दो अरब देशों के राजनयिकों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। राजनयिकों ने बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार दोपहर को पैनल में शामिल 26 दूसरे देशों को न्योता भेजा। ऐसा एक्सियोस न्यूज साइट ने अपनी रिपोर्ट में बताया था। चूंकि यह तारीख रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ पड़ेगी, मुस्लिम नेताओं के शामिल होने में दिक्कत आ सकती है।

दोनों देशों को डेडलाइन की जारी, कहा खत्म करो जंग वर्ना

एजेंसी ▶▶ कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए जून 2026 तक की समयसीमा दी है। यह युद्ध लगभग चार साल से जारी है और अब अमेरिका इसे जल्द खत्म करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जेलेंस्की ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यदि जून तक कोई समझौता नहीं होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि गर्मियों की शुरुआत तक युद्ध खत्म करने की दिशा में ठोस नतीजे सामने आएं। जेलेंस्की के अनुसार, अमेरिकी पक्ष का मानना है।

विस्थापितों को ले जा रहे वाहन को बनाया निशाना

सूडान में आरएसएफ के हमले में 8 बच्चे समेत 24 की मौत

एजेंसी ▶▶ खार्तूम

सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नॉर्थ कोर्डोफान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे। डॉक्टर्स,अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे सिविलियनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और आरएसएफ नेतृत्व को इन अपराधों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराएं। हालांकि इस हमले को लेकर आरएसएफ की ओर अभी इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं आई है। यह संगठन पिछले लगभग तीन वर्षों से सूडानी सेना के खिलाफ देश पर कब्जा करने के लिए युद्ध में लगा हुआ है।

बिना आवाज दुश्मन इलाके में दो किमी तक जासूसी कर सकता है

देखने में छोटा पर विस्फोटक भरकर ले जाने में सक्षम 33 ग्राम का ड्रोन

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूं तो जनभवन (राजभवन) में शुक्रवार से फल, पुष्प और शाकभाजी की तीन दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत हुई है लेकिन इस बार का सबसे खास आकर्षण है सेना की ओर से लगाई गई हथियारों की प्रदर्शनी। इसे देखने के लिए पहले दिन ही खूब भीड़ उमड़ी। पहली बार लगी इस प्रदर्शनी में एक छोटा ड्रोन खासा चर्चा में हैं जिसका वजन महज 33 ग्राम का है।

यह दुश्मन के इलाके में दो किलोमीटर तक जाकर आसानी से रेकी कर उनकी लोकेशन, वहां मौजूद लोगों की संख्या और हथियारों के बारे में सटीक जानकारी देने में सक्षम है। स्टॉल पर मौजूद सेना के जवानों ने बताया कि यह ड्रोन सौ मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है और इसमें बिल्कुल भी आवाज नहीं होती है जिसकी मदद से खासकर आतंकवादियों की लोकेशन लेने में मदद मिलती है। यह नार्वे मेड है। वहीं भारत में बना माइक्रो ड्रोन विद कनेस्टर भी यहां मौजूद है जिसकी खासियत है कि यह दुश्मन के इलाके में 400 ग्राम विस्फोटक ले जाने में सक्षम है और वहां पहुंचकर 20 मीटर की रेंज में सब कुछ तहस-नहस कर देता है। इसका 30 मिनट का बैटरी बैकअप है। इसके अलावा ब्लैक हॉरनेट ड्रोन, लॉग रेंज थर्मल कैमरा भी प्रदर्शनी में मौजूद हैं। प्रदर्शनी में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) भी मौजूद है।

40 एमएम आरएल रॉकेट लॉन्चर को देखने के लिए भी लोग उत्साहित दिखे। इसके अलावा 40 एमएम मल्टी ग्रेनेड लॉन्चर (एमजीएल) है। यह चार किलोमीटर तक की रेंज में मार कर सकने में सक्षम है। इसके अलावा टी-9 मशीन पिस्टल, एमएमएचसी हैंड ग्रेनेड, एसएमजी एमपी-9, 7.62 एमएम एसआईजी 716 असाल्ट राइफल, 5.56 एमएम इनसास राइफल, 7.62 एमएम एके 203 राइफल, 7.62 एमएम स्नाइपर राइफल, साको स्नाइपर भी मौजूद हैं।

सेना के वाहनों के साथ सेल्फी लेने की होड़

प्रदर्शनी में हथियारों के साथ ही सेना के वाहन भी हैं। यहां मौजूद जवानों और वाहनों के साथ शुक्रवार को लोगों ने खूब फोटो खिंचवाईं और सेल्फी लीं। ऑल टरेन व्हीकल समेत बंकरबंद वाहनों ने लोगों को खूब आकर्षित किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109